लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

12 नवम्बर 2026 गुरूवार
वर्ष : 20 अंक: 128
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

हिन्दी दैनिक



www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com

अब जरीब से नहीं सैटेलाइट तकनीक से होगी जमीन की सटीक पैमाइश : सीएम

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में अब जमीन की पैमाइश पुरानी जरीब के बजाय सैटेलाइट आधारित तकनीक से होगी।सभी तहसीलों में रोवर मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। चीफ मिनिस्टर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले पैमाइश में एक फीट का अंतर दस फीट तक पहुंच जाता था, जिसका खामियाजा गरीबों को भुगतना पड़ता था। अब एक इंच भी इधर–उधर नहीं होगा।मुख्यमंत्री ने बुधवार को भैया दूज पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राजस्व विभाग के 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।चीफ मिनिस्टर कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत 4,300 परिवारों के खातों में 215 करोड़ रुपये भेजे।उन्होंने नवनियुक्त युवाओं से पूछा कि क्या चयन के लिए सिफारिश या पैसे देने पड़े? सभी ने इनकार किया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले शासन



और भर्ती प्रक्रिया में श्मुन्ना भाईश बैठे थे। श्मुन्ना भाई एमबीबीएसश फिल्म का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि परीक्षा कोई देता था और नियुक्ति पत्र कोई दूसरा लेकर चला जाता था। भर्ती आयोगों पर सैफई सिंडिकेट का कब्जा था। उन्होंने कहा कि गांवों में अधिकांश विवाद जमीन से जुड़े होते हैं।इन्हें समाप्त करने के लिए 445 रोवर मशीनें खरीदी गई हैं।जून में 70 हजार पैमाइश कराई गई। 2017 में राजस्व न्यायालयों में 34 लाख मुकदमे लंबित थे। अब तक 37,81,363 वादों का निस्तारण किया गया है।जून में विशेष अभियान के दौरान नामांतरण के 3,10,056 मामले निपटाए गए। पिछली सरकारें समस्याएं खड़ी करती थीं, वर्तमान सरकार समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर घरौनी योजना से ग्रामीण परिवारों को आबादी की जमीन का मालिकाना अधिकार मिला है।

महिलाओं के नाम संपत्ति होने से बैंक ऋण लेकर कारोबार के अवसर बढ़े हैं।उन्होंने कहा कि देश की आबादी में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत है, जबकि कुल घरौनियों में प्रदेश की हिस्सेदारी 37 प्रतिशत है। कृषक दुर्घटना कल्याण योजना में खेतिहर मजदूरों और बटाईदारों को भी शामिल किया गया है। सांप, बिच्छू, सांड़ तथा जंगली जानवरों के हमले से होने वाली दुर्घटनाएं दायरे में हैं।अब तक 1,40,196 किसान परिवारों को 5,833.50 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है।उन्होंने कहा कि सरकार संकट में अन्नदाता के परिवार के साथ है।

भैयादूज पर यमुनोत्री धाम के कपाट बंद, केदारनाथ में भी दर्शन समाप्त, 16 नवंबर को बंद होंगे बदरीनाथ के द्वार

एजेंसी,उत्तरकाशी । उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा अब शीतकालीन विश्राम की ओर बढ़ रही है। भैयादूज के पावन पर्व पर बुधवार को यमुनोत्री धाम के कपाट भी विधि–विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इससे पहले सुबह केदारनाथ धाम के कपाट भी श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए गए। अब चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव बदरीनाथ धाम के कपाट 16 नवंबर को बंद होंगे। इसके साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा का समापन हो जाएगा। यमुनोत्री मंदिर समिति के अनुसार, बुधवार को शुभ मुहूर्त में सुबह 10 बजकर 28 मिनट पर मां यमुना के मंदिर के कपाट बंद किए गए। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ विशेष पूजा–अर्चना संपन्न हुई। कपाट बंद होने के बाद मां यमुना की उत्सव डोली सोमेश्वर



महाराज की अगुवाई में पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ शीतकालीन प्रवास खरसाली के लिए रवाना हुई। मंदिर समिति के सचिव सुनील उनियाल और प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि डोली के खरसाली पहुंचने पर स्थानीय श्रद्धालु और ग्रामीण पारंपरिक तरीके से उसका स्वागत करेंगे। सर्दियों के छह महीनों तक मां यमुना की पूजा–अर्चना खरसाली स्थित प्राचीन यमुना मंदिर में होगी। इस दौरान श्रद्धालु वहीं पहुंचकर मां के दर्शन कर सकेंगे। बुधवार सुबह 8.30 बजे केदारनाथ धाम के कपाट भी शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इससे पहले सुबह चार बजे से श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए।

इसके बाद मुख्य पुजारी ने गर्भगृह में समाधि पूजा की प्रक्रिया पूरी कराई। सुबह छह बजे समाधि पूजा संपन्न होने के बाद गर्भगृह के कपाट बंद किए गए। बाद में मंदिर का मुख्य द्वार भी विधि–विधान के साथ बंद कर दिया गया।

बाइक से उछलकर इलेक्ट्रिक बस की छत पर जा गिरा तीन साल का मासूम, सुरक्षित बचा

शाहजहांपुर,संवाददाता। कहते हैं कि जाको राखे साइयां, मार सके न कोय। यह कहावत शाहजहांपुर के सिंधौली थाना क्षेत्र में उस समय चरितार्थ होती नजर आई, जब एक भीषण सड़क हादसे के बीच तीन साल का मासूम चमत्कारिक ढंग से सुरक्षित बच गया। सिंधौली थाना क्षेत्र के मुडिया मोड़ पर तेज रफ्तार बेकाबू कार और दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने–सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर चीख–पुकार मच गई। इसी दौरान बाइक पर सवार महिला की गोद में बैठा तीन साल का बच्चा उछलकर सड़क से गुजर रही इलेक्ट्रिक बस की छत पर जा गिरा। हादसे का यह नजारा देखकर मौके पर मौजूद लोग हैरान रह गए। गनीमत रही कि बस की छत पर गिरे मासूम को कोई गंभीर चोट नहीं आई और वह पूरी तरह सुरक्षित बच गया। वहीं, इस दुर्घटना में महिला समेत पांच



लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही सिंधौली पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मासूम के सुरक्षित बचने की घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

भैयादूज पर जेल मेंभाइयों को तिलक लगाने पहुंचीं बहनें

बांदा,संवाददाता। बांदा जिला कारागार में बुधवार को भैयादूज पर भाई–बहन के रिश्ते की भावुक तस्वीर देखने को मिली। जेल में बंद भाइयों से मिलने के लिए सुबह से ही बहनों की भीड़ जुटने लगी। दूर–दराज से पहुंची महिलाएं घंटों इंतजार करती रहीं। वे अपने साथ भाइयों के लिए मिठाई लेकर आई थीं। जेल में मुलाकात का सिलसिला सुबह साढ़े 11 बजे से शुरू हुआ। जेल परिसर में प्रवेश से पहले महिलाओं की जांच की गई। मिठाई चेक करने के साथ आधार कार्ड से उनकी पहचान की पुष्टि की गई। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था के बीच बहनों को बारी–बारी से अंदर भेजा गया। जेल में सजा काट रहे और विचाराधीन बंदियों से मिलने के लिए शाम तक मुलाकात की व्यवस्था रही। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और मिठाई खिलाकर भैयादूज की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भाइयों की लंबी उम्र की कामना की।

नोएडा से ग्रेटर नोएडा तक मेट्रो विस्तार को मंजूरी

♦ दिल्ली में बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय, कैबिनेट ने दी 77,101 करोड़ के पैकेज को हरी झंडी

एजेंसी,नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार, 11 नवंबर को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। सरकार ने नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही नयी दिल्ली के ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक परिसर में युगे युगीन भारत संग्रहालय विकसित करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिली है।

इन दोनों परियोजनाओं के अलावा



कृषि और सूक्ष्म एवं छोटे उद्योगों को वित्तीय सहायता देने के लिए भी बड़े बजट का प्रावधान किया गया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न क्षेत्रों के लिए कुल 77,101 करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने नोएडा के सेक्टर–51 से ग्रेटर नोएडा के सेक्टर–4 तक मेट्रो रेल परियोजना के लिए 2,390 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस विस्तार का उद्देश्य दोनों शहरों के बीच सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाना है। इससे नोएडा और ग्रेटर नोएडा के आवासीय, औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में आने–जाने वाले लोगों को सुविधा मिलने की उम्मीद है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से सड़क यातायात पर दबाव कम करने और यात्रियों को तेज एवं सुगम परिवहन विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार ने नयी दिल्ली में दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय विकसित करने की योजना को भी मंजूरी दी है। श्युगे युगीन भारत संग्रहालयश ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की इमारतों में बनाया जाएगा। इसके विकास पर 3,230 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

जम्मू कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षा बलों पर आतंकी हमला, तीन सीआरपीएफ जवान घायल

एजेंसी,श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के दक्षिण कश्मीर स्थित कुलगाम जिले में बुधवार को आतंकियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर गोलीबारी की। अखरन इलाके में एक नाका पार्टी पर हुए हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन जवान घायल हो गए। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की तलाश में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, कुलगाम जिले के अखरन इलाके में सुरक्षा बलों की नाका पार्टी पर गोलीबारी की घटना सामने आई। इस दौरान सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हमले के बाद अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर तैनात किया गया है। इलाके में संदिग्ध आतंकियों



की तलाश की जा रही है। इस घटना के बीच जम्मू–कश्मीर पुलिस की ओर से हाल ही में दी गई जानकारी भी महत्वपूर्ण है। कश्मीर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) सुजीत कुमार ने बताया था कि दक्षिण कश्मीर के कुछ हिस्सों में एक स्थानीय आतंकी सक्रिय है। उसके साथ कुछ विदेशी आतंकियों के जुड़े होने की भी आशंका है। आईजीपी के अनुसार, यह स्थानीय आतंकी अनंतनाग और कुलगाम में हुए हमलों की साजिश रच चुका है और उसे कुछ विदेशी आतंकियों का समर्थन प्राप्त है। सुरक्षा एजेंसियां दक्षिण कश्मीर में सक्रिय आतंकियों की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। बुधवार को हुए हमले के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

कोलकाता एयरपोर्ट पर मुंबई जाने वाली फ्लाइट को हाईजैक की मिली धमकी, टॉयलेट में मिला नोट

एजेंसी,कोलकाता। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुंबई जाने वाली एयर इंडिया की एक फ्लाइट को हाईजैक करने की धमकी मिली, जिससे तनाव पैदा हो गया। इसके बाद विमान की सघन तलाशी ली गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जब फ्लाइट टेक–ऑफ की तैयारी कर रही थी, तब पायलट को धमकी मिली और उसने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को इसकी सूचना दी। फ्लाइट को तुरंत आइसोलेशन बे (अलग जगह) में ले जाया गया और सुरक्षा कर्मियों ने विमान के अंदर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। हालांकि, अभी तक कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली है। इस मामले पर एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, मुंबई जाने वाली एयर इंडिया की इस फ्लाइट में 92 यात्री सवार थे और यह टेक–ऑफ का इंतजार कर रही थी, तभी पायलट को धमकी के बारे में पता चला।



शुरुआती जानकारी के अनुसार, फ्लाइट के टॉयलेट में एक नोट मिला था, जिसमें विमान को हाईजैक करने की चेतावनी दी गई थी। एटीसी के निर्देशों का पालन करते हुए पायलट ने विमान को आइसोलेशन बे में पहुंचा दिया। विमान में सवार यात्रियों को भी बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। इस घटना से यात्री काफी डरे हुए थे और उनके चेहरों पर साफ घबराहट देखी जा सकती थी।

पिछले महीने के आखिर में कोलकाता एयरपोर्ट पर लगातार दो बार बम की झूठी धमकियां मिलीं। 23 अक्टूबर को कोलकाता एयरपोर्ट पर टिश्यू पेपर पर लिखी हुई बम की एक धमकी मिली। इसके बाद, 24 अक्टूबर को थाईलैंड के फुकेत से कोलकाता आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट के वॉशरूम के शीशे पर बम की धमकी लिखी मिली, जिसके चलते विमान की सघन सुरक्षा जांच की गई। हालांकि, दोनों ही मामलों में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और ये धमकियां झूठी साबित हुईं।



वैदिक मंत्रोच्चार और हवन-पूजन के साथ डालमिया चीनी मिल के पेराई सत्र 2026-27 का शुभारंभ

राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरु की मौजूदगी में हुआ कार्यक्रम, प्रथम बैलगाड़ी और ट्रॉली से गन्ना लेकर पहुंचे किसानों

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जवाहरपुर चीनी मिल में पेराई सत्र 2026–27 का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और हवन–पूजन के साथ विधि–विधान से किया गया। इस अवसर पर मिल परिसर में धार्मिक एवं उत्साहपूर्ण माहौल रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरु मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन–पूजन संपन्न हुआ। इसके बाद मिल परिसर में स्थापित सभी गन्ना तौल कांटों का विधिवत पूजन किया गया। नारियल फोड़कर नए पेराई सत्र के सुचारु संचालन की शुरुआत की गई। मिल अधिकारियों ने आगामी सत्र के सफल संचालन और किसानों



के हित में बेहतर व्यवस्था बनाए रखने की कामना की।

मिल के यूनिट हेड लोकेंद्र सिंह लांबा ने किसानों को नए पेराई सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसानों के सहयोग और सहभागिता से ही चीनी मिल का संचालन सुचारु रूप से संभव है। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि मिल प्रबंधन आगामी सत्र में बेहतर समन्वय और सहयोग के साथ कार्य करेगा।पेराई सत्र के शुभारंभ पर सबसे पहले गन्ना लेकर मिल पहुंचने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। प्रथम बैलगाड़ी लेकर पहुंचीं मालिनी देवी पत्नी संतराम निवासी पिपरी करियामऊ तथा प्रथम ट्रॉली लेकर पहुंचे शिवकुमार निवासी मकरंदपुर बसंतपुर और पारुल वर्मा पत्नी संजय वर्मा निवासी इतौआ को अंगवस्त्र एवं मिष्ठान भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में गन्ना समिति के अध्यक्ष भंवर सिंह सहित सीतापुर हरगांव एवं महोली गन्ना समितियों के अध्यक्ष और क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मिल के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में किसानों ने भी सहभागिता की। सभी ने एक–दूसरे को नए पेराई सत्र की शुभकामनाएं देते हुए मिल प्रबंधन और किसानों के आपसी सहयोग से सत्र को सफल बनाने का संकल्प लिया। मिल के मीडिया प्रभारी सुधीर सिंह ने बताया कि पेराई सत्र 2026–27 का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन–पूजन के साथ किया गया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में किसानों की सहभागिता और उनके सम्मान को विशेष महत्व दिया गया। मिल प्रबंधन किसानों के सहयोग से पूरे पेराई सत्र को सुचारु एवं सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सड़क हादसे में पूरा परिवार खत्म, दंपती के बाद दोनों बेटों ने भी तोड़ दम, इलाके में पसरा मातम

हरदोई,संवाददाता। हरदोई के सांडी थाना क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। भटौली गांव के पास 317 आरएचएस पर कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में पति–पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल उनके दोनों बेटों ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर है।

जानकारी के मुताबिक, नोएडा निवासी सौरभ उपाध्याय पुत्र जय गोविंद उपाध्याय अपनी पत्नी मेनका उपाध्याय और दो बेटों शिवोम व वियोम के साथ कार से प्रयागराज जा रहे थे। इसी दौरान सांडी थाना क्षेत्र के भटौली गांव के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार डिवाइडर के ऊपर जाकर लटक गई। हादसे में कार का इंजन उखड़कर करीब 20 फीट दूर जा गिरा। दुर्घटना की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है। हादसे में सौरभ उपाध्याय और उनकी पत्नी मेनका उपाध्याय की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। वहीं, उनके दोनों बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। एक बच्चे को सांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जबकि दूसरे को बिलग्राम सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। हालांकि, उपचार के दौरान दोनों बच्चों की भी मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों की पहचान उनके जीजा से संपर्क कर पुष्टि की। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। दुर्घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया था। इस दौरान मौके पर पहुंची एंबुलेंस के चालकों के साथ मारपीट और एंबुलेंस पर हमले की सूचना भी सामने आई थी।

कायस्थ समाज ने चित्रगुप्त की सामूहिक पूजा की

अमेठी,संवाददाता। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने ग्राम दरपीपुर में भगवान श्री चित्रगुप्त की सामूहिक पूजा और कलम–दवात पूजन कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें कायस्थ समाज के लोगों ने हिस्सा लिया और विधि–विधान से पूजा की। कार्यक्रम में गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज ने समाज को नई दिशा देने और राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है। उन्होंने समाज की बौद्धिक क्षमता, शिक्षा, संस्कार और सामाजिक दायित्वों का भी जिक्र किया। सिंह ने कहा कि भगवान श्री चित्रगुप्त पूरी सृष्टि के कर्मों का लेखा–जोखा रखते हैं और मनुष्य के पाप–पुण्य का हिसाब करते हैं।

विधायक ने कृषक दुर्घटना योजना में 2 90 करोड़ रुपये बांटे

अमेठी,संवाददाता। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत बुधवार, 11 नवंबर 2026 को गौरीगंज तहसील परिसर में सहायता राशि बांटी गई। सदर विधायक राकेश प्रताप सिंह ने पात्र लाभार्थियों को पांच–पांच लाख रुपये के चेक दिए। कुल 2 करोड़ 90 लाख 30 हजार रुपये की सहायता दी गई। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (एडीएम), उपजिलाधिकारी (एसडीएम), तहसील के अन्य अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। यह योजना दुर्घटना में जान गंवाने वाले किसानों के आश्रित परिवारों को आर्थिक सहायता देती है। विधायक राकेश प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों और उनके परिवारों के हित में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना संकट के समय कृषक परिवारों की मदद करती है। उन्होंने कहा कि किसानों और उनके परिवारों का सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकता है।

संक्षिप्त....

बहनों ने भाइयों को तिलक लगाया

हरदोई,संवाददाता। जिले में गुरुवार को भैया दूज का पर्व मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र की कामना की। भाइयों ने बहनों को उपहार दिए। बहनों ने भाइयों को मिठाई खिलाई और उनके सुख–समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। दूर रहने वाले भाई अपनी बहनों के घर पहुंचे, जबकि कई बहनें मायके जाकर भाइयों के साथ पर्व मनाने पहुंचीं। भरखनी विकासखंड के भरखनी, पचदेवरा, पाली, अनंगपुर, रूपापुर, सवायजपुर और आसपास के गांवों में लोगों ने परिवार के साथ त्योहार मनाया। घरों में पकवान और मिठाइयां बनाई गईं। क्षेत्र के बाजारों में मिठाई, फल, नारियल और पूजा सामग्री की दुकानों पर खरीदारी हुई। मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भैया दूज पर बहन के तिलक लगाने से भाई के जीवन में सुख–समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। पर्व के दौरान लोगों ने एक–दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

थार की टक्कर से बाइक सवार महिला सड़क पर गिरी

हरदोई,संवाददाता। शाहबाद में बुधवार को मुख्य मार्गों पर जाम के दौरान थार की टक्कर से बाइक सवार महिला सड़क पर गिर गई। चौराहे पर तैनात पुलिस जवान ने महिला और बाइक चालक को उठाया। कस्बे के मुख्य मार्गों पर भीड़ और वाहनों के दबाव से लंबा जाम लगा रहा। सड़कों पर वाहनों की कतारें लग गईं। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। पुलिसकर्मी प्रमुख चौराहों पर तैनात थे। महिला अपने पति के साथ मोटरसाइकिल से जा रही थी। पीछे से आ रही थार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक का संतुलन बिगड़ा और महिला सड़क पर गिर गई। चौराहे पर तैनात पुलिस जवान ने मौके पर पहुंचकर महिला और बाइक चालक को उठाया। टक्कर के बाद थार में बैठे लोग गाड़ी से बाहर नहीं निकले। मौके पर मौजूद लोगों ने इस पर नाराजगी जताई।

चित्रगुप्त जयंती पर मंदिर में हवन-पूजन

रायबरेली,संवाददाता। चित्रगुप्त जयंती पर रायबरेली के सलीमपुर भैरों उर्फ अकोढ़िया गांव के प्राचीन श्री चित्रगुप्त जी महाराज मंदिर में बुधवार शाम को हवन–पूजन किया गया। कायस्थ बंधुओं ने ग्राम और क्षेत्रवासियों के अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि और सद्बुद्धि की कामना की। पूजन कार्यक्रम में श्याम श्रीवास्तव, अन्नू श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव, चंदन श्रीवास्तव, प्रसून श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, अंकित श्रीवास्तव, निशि श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, भोला श्रीवास्तव, वीरेन्द्र श्रीवास्तव, पीयूष श्रीवास्तव, प्रभात श्रीवास्तव, साहस श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, प्रिंस श्रीवास्तव, मितुल श्रीवास्तव और अर्पित श्रीवास्तव मौजूद रहे। शहर और ग्रामीण इलाकों में कलम पूजन को लेकर भक्तों में भारी उत्साह रहा।

भैया दूज पर जेल पहुंचीं बहनें

बहराइच,संवाददाता। जिले में बुधवार को भैया दूज का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। दोपहर करीब 12 बजे दूर–दराज के इलाकों से महिलाएं रायपुर राजा स्थित जिला कारागार पहुंचीं। वे जेल में बंद अपने भाइयों को तिलक लगाने आई थीं। सुबह से ही जेल के बाहर महिलाओं की भीड़ जुटने लगी थी। भाई दूज पर जिला कारागार पहुंची महिलाओं को प्रशासन ने सुरक्षा जांच के बाद तय प्रक्रिया के तहत अंदर प्रवेश दिया।

दिवंगत किसानों के परिजनों को सहायता राशि के चेक मिले

बांदा,संवाददाता। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना योजना के तहत दुर्घटना में जान गंवाने वाले किसानों के परिजनों को आर्थिक सहायता के चेक दिए गए। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में किसानों के परिजनों को सहयोग का भरोसा दिलाया गया। वक्ताओं ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य व्यवस्था की अहम कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि परिवार के मुखिया या किसी प्रियजन को खोने की भरपाई आर्थिक सहायता से नहीं हो सकती। योजना के जरिए प्रभावित परिवारों को आर्थिक मदद देने की कोशिश की जा रही है।

भाई दूज पर बहनों ने भाइयों को तिलक किया

सीतापुर,संवाददाता। जिले के रेउसा कस्बे और आसपास के गांवों में बुधवार को भाई दूज मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और सुख–समृद्धि की कामना की। रेउसा के बम्हनावा बाजार में सुबह से चहल–पहल रही। मिठाई, लाई, चूरा, मिठाई की कुल्हिया और पूजा सामग्री की दुकानों पर लोग खरीदारी करते दिखे। बहनों ने सुबह स्नान और पूजा के बाद पति–बच्चों के साथ मायके पहुंचकर भाइयों का तिलक किया। उन्होंने आरती उतारी और मिठाई खिलाई।

स्व. संदीप टंडन की जयंती पर पूर्व सांसद अन्नू टंडन ने जरूरतमंद परिवार को दिया संबल, मीना गौतम को जीविकोपार्जन के लिए भेंट की दुधारू गाय

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। देश के जाने–माने वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अपने जीवनसाथी स्वर्गीय संदीप टंडन जी की जयंती पर पूर्व सांसद अन्नू टंडन जी ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों और मानवीय मूल्यों को सेवा के माध्यम से जीवंत किया।

इस अवसर पर उन्होंने सरोसी ब्लॉक के अफजल नगर निवासी मीना गौतम को जीविकोपार्जन के लिए एक दुधारू गाय प्रदान की। मीना गौतम के पति स्व प्रमोद गौतम का ब्रेन ट्यूमर के कारण असामयिक निधन हो गया था। पति के निधन के बाद तीन नाबालिग बच्चों के पालन–पोषण और परिवार की आजीविका चलाने की जिम्मेदारी अकेले मीना के कंधों पर आ गई। आर्थिक तंगी और जीवन की कठिन परिस्थितियों के बीच बच्चों



का भविष्य संवारना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था। मीना गौतम की इस पीड़ा और संघर्ष को देखते हुए अन्नू टंडन ने अपने पति स्व संदीप टंडन की जयंती पर गौदान किया।

पूर्व सांसद अन्नू टंडन ने स्व. संदीप टंडन जी को याद करते हुए कहा कि संदीप जी का जीवन मेरे लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहा है। वह एक संवेदनशील व्यक्तित्व थे, जिनके जीवन में मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक सरोकारों और जरूरतमंद लोगों के प्रति सहयोग का विशेष स्थान था। उन्होंने आगे कहा कि मेरा मानना है कि किसी जरूरतमंद की मदद तभी सार्थक है, जब वह उसे अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर दे। मीना गौतम के तीन छोटे बच्चों की जिम्मेदारी और उनके संघर्ष को देखकर मन व्यथित हुआ। हमारी छोटी–सी कोशिश है कि गाय के माध्यम से उनके परिवार की आजीविका का एक स्थायी साधन बन सके और बच्चों के भविष्य को संवारने में उन्हें सहारा मिले। किसी परिवार के जीवन में आशा और आत्मसम्मान लौटाना ही संदीप जी को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मीना गौतम ने भावुक होकर कहा कि मेरे पति के जाने के बाद तीन छोटे बच्चों की परवरिश करना मेरे लिए बहुत मुश्किल हो गया था। घर चलाने और बच्चों की जरूरतें पूरी करने के लिए मैं काफी परेशान रहती थी। ऐसे कठिन समय में अन्नू टंडन जी ने हमारी परेशानी समझी और हमें दुधारू गाय देकर बहुत बड़ा सहारा दिया है। इससे मेरे परिवार की आजीविका चलाने में मदद मिलेगी और बच्चों के पालन–पोषण में भी सहूलियत होगी।

स्व संदीप टंडन जी को श्रद्धांजलि देने वालो के प्रमुख रूप से सपा जिलाध्यक्ष जयचंद्र विमल, नीरू टंडन, विवेक शुक्ला, अजय श्रीवास्तव एडवोकेट, अंकित सिंह परिहार, हृदय श्रीवास्तव एडवोकेट, संजय निगम, अमित शुक्ला, शिक्षक नेता विवेक पटेल, राजबहादुर चौहान, दीपक श्रीवास्तव, सबा अहमद, विमल मेहरोत्रा आदि लोग उपस्थित थे।

रेलवे लाइन के पास बेसुध मिले युवक की मौत

सीतापुर,संवाददाता। खैराबाद थाना क्षेत्र में रेलवे लाइन के पास बुधवार सुबह करीब 7 बजे एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में बेसुध अवस्था में मिला। परिजन उसे आनन–फानन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने उसके शरीर पर चोट के निशान होने की बात कहकर अनहोनी की आशंका जताई है। वहीं, पुलिस का कहना है कि युवक शराब के नशे में बेसुध मिला था और प्रथम दृष्टया उसके शरीर पर चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के गंगापुर गांव निवासी संतोष कुमार (30) पुत्र धनीराम मंगलवार शाम मूसेपुर गांव गया था। परिजनों के मुताबिक, देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिवार के लोग उसकी तलाश कर रहे थे। बुधवार सुबह करीब 7 बजे वह गांव के बाहर रेलवे लाइन के पास बेसुध अवस्था में पड़ा मिला। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक अनिल सिंह ने बताया कि पुलिस गश्त के दौरान देर रात युवक शराब के नशे में बेसुध मिला था। उस समय पुलिस ने उसके भाई शिवकुमार से बातचीत कर उसे घर ले जाने की बात कही थी। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया युवक के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट होगी और उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के जर्जर आवास की स्थिति पर कांग्रेस ने जताई चिंता

वाराणसी,संवाददाता। भारत रत्न और विश्वविख्यात शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के जर्जर और जीर्ण–शीर्ण आवास की स्थिति देखकर कांग्रेस पार्टी एवं नागरिक समाज के प्रतिनिधि मंडल ने चिंता व्यक्त की। देश–दुनिया में बनारस और भारतीय संगीत की पहचान को अपनी कला से गौरवान्वित करने वाले उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के घर की बदहाल स्थिति अत्यंत चिंताजनक है।

प्रतिनिधिमंडल ने उस्ताद साहब के परिजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं, वर्तमान परिस्थितियों और आजीविका से जुड़े सवालों पर विस्तार से बातचीत की। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि जिस कलाकार ने अपनी शहनाई से देश को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई और जिन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया, उनके परिवार और आवास की ऐसी स्थिति हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े करती है।



आरोप लगाया कि भाजपा ने बनारस को क्योटो बनाने का वादा किया था। प्रधानमंत्री स्मार्ट सिटी और विश्वस्तरीय विकास परियोजनाओं का ढिंढोरा पीटते हैं। लेकिन सवाल है कि इस विकास का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या विकास केवल चमकती सड़कों, बड़ी परियोजनाओं और भव्य इमारतों तक सीमित है? जिस शहर की पहचान उसकी गंगा–जमुनी तहजीब, संगीत और सांस्कृतिक विरासत से है, उसी शहर में भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खान का आवास जर्जर हालत में हो और उनके परिजनों के सामने भरण–पोषण एवं आजीविका का संकट हो, तो यह विकास के दावों पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। जिस उस्ताद ने अपनी शहनाई से बनारस का नाम दुनिया भर में रोशन किया, जिन्होंने देश की सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया, उनके परिवार और विरासत के प्रति यह उदासीनता चिंताजनक है। बनारस को क्योटो बनाने से पहले उसकी अपनी विरासत, उसके कलाकारों और उनकी संतानों के सम्मान एवं गरिमा की चिंता करना जरूरी है ।

भाईदूज पर बस स्टैंडों पर उमड़ी भीड़, सीट के लिए मारामारी

आगरा,संवाददाता। ताज नगरी में भाईदूज पर बसों में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। बुधवार सुबह से ही आईएसबीटी और ईदगाह बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़



जुटने लगी। बहनें भाइयों को टीका करने के लिए मायके और ससुराल जा रही हैं। बसों में सीट पाने के लिए यात्रियों को मशक्कत करनी पड़ रही है। कई लोग खड़े होकर सफर करने को मजबूर हैं। बसों के पहुंचते ही उनमें चढ़ने के लिए यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है। महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। मिठाई और उपहार लेकर निकली कई बहनों को बस में जगह मिलने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। त्योहार पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए परिवहन विभाग ने अतिरिक्त बसों का संचालन शुरू किया है।

अधिकारियों के मुताबिक दिल्ली, नोएडा, भरतपुर और ग्वालियर रूट पर यात्रियों का दबाव ज्यादा है। इन मार्गों पर बसों के फेरे भी बढ़ाए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की संख्या के हिसाब से बसों की व्यवस्था की जा रही है। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त बसें भी लगाई जाएंगी। फिलहाल विभाग के मुताबिक किसी रूट पर बसों की कमी नहीं है। दिल्ली, नोएडा, भरतपुर और ग्वालियर जाने वाले यात्रियों की संख्या सबसे अधिक है। शाम के समय भीड़ और बढ़ने की आशंका को देखते हुए चालकों और परिचालकों को अलर्ट रखा गया है। दूसरी ओर यात्रियों का कहना है कि अतिरिक्त बसों के दावों के बावजूद उन्हें सीट नहीं मिल रही है।

एसडीएम के आदेश के खिलाफ छठ पूजा स्थल पर महिलाओं का क्रमिक अनशन

वाराणसी,संवाददाता। चोलापुर थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव में छठ पूजा के पारंपरिक स्थल पर पूजा करने से रोकने के प्रशासनिक निर्देश के खिलाफ बुधवार को महिलाओं का आक्रोश खुलकर सामने आया। अपनी धार्मिक आस्था और करीब 20 वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार छठ पूजा करने की मांग को लेकर दर्जनों महिलाएं उसी पूजा स्थल पर क्रमिक अनशन पर बैठ गईं जहां प्रतिवर्ष अस्थायी तालाब बनाकर पूजा–अर्चना करती रही हैं। महिलाओं के अनशन को देखते हुए मौके पर चोलापुर पुलिस तैनात है और सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। दरअसल मंगलवार को उपजिलाधिकारी सदर के निर्देश पर नायब तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। अधिकारियों ने महिलाओं को शिव मंदिर के पास पीपल के पेड़ के नीचे सरकारी भूमि पर गड्ढा खोदकर अस्थायी तालाब बनाने और वहां छठ पूजा करने से मना किया था। प्रशासन की ओर से बताया गया कि एसडीएम सदर के पत्र के अनुसार आराजी संख्या 140 सरकारी भूमि के रूप में दर्ज है, वहां बिना सक्षम अनुमति के भूमि पर गड्ढा खोदने पर रोक लगाते हुए महिलाओं को सार्वजनिक तालाब पर छठ पूजा करने का निर्देश दिया गया था। वहीं ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि उक्त स्थल पर वर्षों से सामूहिक रूप से छठ पूजा होती आ रही है। प्रतिवर्ष जेसीबी से करीब दो फीट गहरा गड्ढा खोदकर अस्थायी तालाब का रूप बनाया जाता है और पूजा संपन्न होने के बाद उसे पुनः पाट दिया जाता है। महिलाओं का कहना है कि यह केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि उनकी धार्मिक आस्था और वर्षों पुरानी परंपरा से जुड़ा हुआ है। प्रशासन के निर्देश से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

ट्रैक्टर–ट्रॉली के नीचे दबकर चार साल के मासूम की मौत

आगरा,संवाददाता। फतेहाबाद में बुधवार को दर्दनाक हादसे में चार साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चा खेत में खेल रहा था, तभी ट्रैक्टर–ट्रॉली की चपेट में आ गया। हादसे के बाद परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बेटे की मौत से मां का रो–रोकर बुरा हाल है। त्योहार के दिन हुए हादसे से गांव में भी शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, निबोहरा क्षेत्र के गांव गढ़ी जहान निवासी होराम का चार वर्षीय बेटा भोला बुधवार को खेत में खेल रहा था। इसी दौरान उसका चाचा गजेंद्र आलू की बुआई करने के बाद ट्रैक्टर–ट्रॉली लेकर घर लौट रहा था। खेत में ट्रैक्टर मोड़ते समय भोला उसकी चपेट में आ गया और ट्रॉली के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन आनन–फानन में बच्चे को अस्पताल लेकर पहुंचे।

जेल में बहनों ने किया भाई को तिलक

आगरा,संवाददाता। भैया दूज पर बुधवार को आगरा जिला जेल में भाई–बहन के प्रेम का भावुक नजारा देखने को मिला। जेल में बंद भाइयों को तिलक लगाने के लिए सुबह से ही बहनों का पहुंचना शुरू हो गया। देखते ही देखते जिला जेल के बाहर बहनों की लंबी कतार लग गई। कोई हाथों में पूजा की थाली लेकर पहुंची तो कोई भाई के लिए मिठाई लेकर आई। बहनेंअपने भाइयोंसे मुलाकात करने और उन्हें तिलक लगाने के लिए अपनी बारी का इंतजार करती रहीं। जेल में मुलाकात के दौरान बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी लंबी उम्र की कामना की। इस दौरान कई भाई–बहन भावुक हो गए। लंबे समय बाद त्योहार पर अपने भाई से मुलाकात होने पर कई बहनों की आंखें नम हो गईं। बहनों ने भाइयों का हालचाल जाना और उनके साथ कुछ समय बिताया।

मिशन फतह 2027: भाजपा काट सकती 40 से 50 विधायकों के टिकट

विकास और सरकारी योजनाओं को बनाएगी चुनावी मुद्दा



लखनऊ,संवाददाता। यूपी में 2027 होने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी हैट्रिक लगाने के लिए कोई भी रिस्क लेने के मूड में नहीं है। उसका लक्ष्य सिर्फ और सिर्फ जीत और वो भी तीन चौ पार के आंकड़े के साथ हुकूमत है। फरवरी और मार्च के दौरान संभावित चुनावों को देखते हुए भाजपा, कांग्रेस समेत सभी प्रमुख दल अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। भाजपा की चुनाव में अपने शासनकाल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को प्रमुखता देने की है। भारतीय जनता पार्टी जनता के बीच विकास और सकारात्मक एजेंडे के साथ पहुंचकर और सरकार के कामकाज के आधार पर एक और कार्यकाल के लिए समर्थन मांगने उतरने वाली है। चुनावी माहौल में विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवाल भाजपा की रणनीति के लिए चुनौती बन रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि विपक्ष राज्य सरकारों के कामकाज और स्थानीय समस्याओं पर चर्चा करने के बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के जरिए केंद्र सरकार को निशाना बना रहा है। लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली सरकारों के सामने आमतौर पर सत्ता विरोधी माहौल का सामना करने की चुनौती रहती है। विपक्ष विकास, रोजगार, महंगाई, कानून–व्यवस्था और जन सुविधाओं जैसे मुद्दों को उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश करता है।भाजपा नेताओं का मानना है कि इस बार विपक्ष का जोर स्थानीय मुद्दों के बजाय राष्ट्रीय राजनीति पर अधिक है। भाजपा अपनी योजनाओं और उपलब्धियों को जनता के सामने रखकर चुनावी समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगी।उत्तर प्रदेश में भाजपा ने मिशन 2027 की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी संभावित उम्मीदवारों के चयन के लिए बड़े स्तर पर फीडबैक जुटा रही है।

मौजूदा विधायकों के साथ 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी के टिकट पर मैदान में उतरे प्रत्याशियों के प्रदर्शन का आकलन किया जा रहा है।पार्टी कार्यकर्ताओं मंडल और बूथ अध्यक्षों के अलावा शक्ति केंद्र स्तर से भी जानकारी जुटाई गई है। सरकार और संगठन की ओर से सर्वे कराए जाने की बात सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक करीब 40 से 50 मौजूदा विधायकों के टिकट कट सकते हैं। पुराने चेहरों की जगह नए उम्मीदवारों को मौका देने पर भी विचार चल रहा है।भाजपा कमजोर प्रदर्शन करने वाले नेताओं की जगह नए चेहरों को आगे लाने पर विचार कर सकती है। टिकट को लेकर अंतिम फैसला पार्टी के सर्वे संगठन के फीडबैक और चुनावी समीकरणों के आधार पर लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम को लेकर भी राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। आने वाले महीनों में यह देखना अहम होगा कि चुनावी मुकाबले में विकास, रोजगार और स्थानीय समस्याओं के साथ राष्ट्रीय राजनीति कितनी प्रभावी भूमिका निभाती है।

शिक्षक एमएलसी ने शिक्षकों और चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नेताओं का किया सम्मान

वाराणसी,संवाददाता। देश के प्रथम शिक्षा मंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के अवसर पर शिक्षक एमएलसी लाल बिहारी यादव के कैम्प कार्यालय रुप्पनपुर, पैगम्बरपुर, वाराणसी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मौलाना अबुल कलाम आजाद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर शिक्षक एमएलसी चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समाजवादी पार्टी के नेताओं, वित्तविहीन शिक्षक संघ के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं प्रबंधकों को लाल बिहारी यादव ने सम्मानित किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक एमएलसी चुनाव के दौरान भाजपा ने हर कदम पर उन्हें परेशान करने का प्रयास किया। कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री तक ने अपने प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार किया। यहां तक कि चुनाव को प्रभावित करने के लिए एयर शो तक का आयोजन करना पड़ा। इसके बावजूद प्रदेश के पढ़े–लिखे शिक्षक मतदाताओं ने भाजपा की तानाशाही नीतियों के खिलाफ मतदान कर एक साधारण व्यक्ति को पांच गुना अधिक मतों से पुनः विजयी बनाकर विधान परिषद में भेजने का काम किया। उन्होंने कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि शिक्षकों, कर्मचारियों, समाजवादी साथियों एवं उन सभी संघर्षशील लोगों की जीत है, जिन्होंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ हमारा साथ दिया। इस ऐतिहासिक जीत में आप सभी का महत्वपूर्ण योगदान है, जिसके लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक एमएलसी चुनाव के प्रभारी प्रदीप कुमार मौर्य ने की तथा संचालन समाजवादी पार्टी के जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रूपनारायण पटेल, भीष्म नारायण सिंह, जगदीश यादव, चंद्र शेखर सिंह, जैन कुशवाहा, अभिषेक यादव, प्रताप गौतम, हैदर गुड्डू, जुबैर अहमद, इरशाद अहमद, सुनील यादव, मन्नू अंसारी, शमीम अंसारी, डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव, रूबी खान, हर्षाज, वीरेंद्र मौर्य, सतीश मौर्या, संजय मौर्या प्रधान, आनंद स्वरूप, राजकुमार यादव, मंजीत सिंह, कमलेश पटेल, अवधेश कुमार, पिंटू पटेल, विशाल कुमार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

बाइक सेटकराकर अनियंत्रित होकर सड़क पर गिरी युवती को ट्रक ने रौंदा

वाराणसी,संवाददाता। रोहनिया थाना क्षेत्र के पंडितपुर गांव के सामने नेशनल हाईवे 19 पर बुधवार की दोपहर में हुई सड़क दुर्घटना के दौरान शिवानी नामक 18 वर्षीय युवती की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि बाइक चला रहा किशन यादव घायल हो गया।मीरजापुर जिले के कछवां स्थित केयटाबीर का रहने वाल किशन यादव गांव की ही दोस्त शिवानी के साथ बाइक से वाराणसी घूमने जा रहे थे। हाइवे स्थित हेरिटेज अस्पताल के पहले पंडितपुर गांव के सामने बगल से जा रहे बाइक की टक्कर से अनियंत्रित होकर युवती सड़क की तरफ जा गिरी तभी पीछे से आ रहे ट्रक के पहिये के नीचे आ गई, जिससे मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ट्रक सहित चालक फरार हो गया। वहीं दुर्घटना के दौरान बाइक सवार पटरी की तरफ जा गिरा जिसे हल्की चोटें आई हैं। सूचना के बाद मौके पर पहुंची रोहनिया पुलिस ने एंबुलेंस द्वारा घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा और युवती के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

राजनाथ सिंह कल करेंगे संस्कृति भवन का उद्घाटन

लखनऊ,संवाददाता। रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह 13 नवंबर को लखनऊ आएंगे। इस दौरान वह सुल्तानपुर रोड स्थित गुलजार उपवन में नवनिर्मित संस्कृति भवन का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होगा। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि रक्षामंत्री 13 नवंबर को सुबह 11 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग से सुबह 11.25 बजे गुलजार उपवन पहुंचेंगे। सुबह 11.30 बजे संस्कृति भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे और भवन का लोकार्पण करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, रक्षामंत्री दोपहर 1 बजे तक गुलजार उपवन में रहेंगे। इसके बाद दोपहर 1.05 बजे लखनऊ एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। वहां से आगे के कार्यक्रम के लिए प्रस्थान करेंगे।

दुबई से काठमांडू जा रही फ्लाई दुबई की उड़ान लखनऊ डायवर्ट हुई

लखनऊ,संवाददाता। दुबई से काठमांडू जा रही फ्लाई दुबई की उड़ान बुधवार शाम लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरी। काठमांडू में खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण विमान को वहां उतरने की अनुमति नहीं मिली। इसके बाद उड़ान को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। विमान में 164 यात्री सवार हैं। फिलहाल विमान लखनऊ एयरपोर्ट पर खड़ा है और यात्री उसी में बैठे हैं। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, उड़ान संख्या एफजेड 539 बुधवार सुबह 8.15 बजे दुबई से रवाना हुई थी। इसे दोपहर 2 बजे काठमांडू पहुंचना था। लेकिन काठमांडू पहुंचने से पहले ही इसे लखनऊ के लिए डायवर्ट कर दिया गया। बुधवार दोपहर बाद काठमांडू में तेज हवाएं चलने लगीं। इससे विमान संचालन में दिक्कत आई। विमान शाम 4.40 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचा। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि विमान फिलहाल लखनऊ में खड़ा है और यात्री उसी में बैठे हैं। काठमांडू का मौसम ठीक होने के बाद विमान को उसके गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा।

भागवत कथा से पहले कलश यात्रा निकली

अमेठी,संवाददाता। मुसाफिरखाना विकासखंड के दादरा गांव में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा से पहले बुधवार को कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा दण्डेश्वर धाम गोमती घाट से शुरू हुई। श्रद्धालुओं ने गोमती नदी से जल भरकर यात्रा में हिस्सा लिया। धार्मिक जयकारों के बीच यात्रा पूरी हुई। कथा के आयोजक डॉ. संतलाल श्रीवास्तव ने बताया कि कथा 11 से 17 नवंबर 2026 तक होगी। वृंदावन धाम से आए कथा व्यास श्री वागीस रामचंद्र दास जी महाराज श्रद्धालुओं को कथा सुनाएंगे। आचार्य सुरेंद्र मिश्रा शास्त्री जी पूजन कराएंगे। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से कथा सुनने के लिए आने की अपील की है।

राजमिस्त्री की मौत के बाद परिजनों का हंगामा

रुद्रानऊ,संवाददाता। राजमिस्त्री की मौत के बाद सुबह परिजनों ने हंगामा किया। उन्होंने हत्या का केस दर्ज करने और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। परिवार ने सरकारी जमीन का पट्टा, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और बच्चों की मुफ्त पढ़ाई की मांग भी रखी। एसीपी के आश्वासन पर परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। बुधवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे सुभाष (43) का अंतिम संस्कार किया गया। मामला रहीमाबाद थाना क्षेत्र के संत नगर गांव का है।जानकारी के मुताबिक, सोमवार शाम सुभाष घर से बीड़ी लेने निकले थे,

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

लखनऊ,संवाददाता। बंथरा थाना क्षेत्र स्थित हरौनी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से अभिषेक सिंह चौहान (34) की मौत हो गई। वह 4 नवंबर से लापता थे। मंगलवार रात करीब 9.30 बजे लखनऊ से कानपुर जा रही बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट ट्रेन के ड्राइवर ने स्टेशन मास्टर को हादसे की सूचना दी। जीआरपी ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कपड़ों से मिले आधार कार्ड से उनकी पहचान हुई। अभिषेक हरौनी गांव में रहते थे और जाइडस दवा कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव थे। वह चौक इलाके में काम करते थे। पुलिस के मुताबिक, 4 नवंबर को वह अपने 7 साल के बेटे अथर्व और 4 साल के बेटे प्रिशु को स्कूल छोड़ने के बाद ऑटो से ड्यूटी गए थे। दोपहर में पत्नी मधु सिंह ने किसी काम से फोन किया तो मोबाइल बंद मिला। कई बार कॉल करने पर भी संपर्क नहीं हुआ। देर शाम तक अभिषेक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश की। पता नहीं चलने पर रात में बंथरा पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की। मंगलवार रात करीब 9.30 बजे लखनऊ से कानपुर जा रही 12565 अप बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट ट्रेन के ड्राइवर ने हरौनी स्टेशन मास्टर को सूचना दी। ड्राइवर के मुताबिक, प्लेटफॉर्म शुरू होते ही एक व्यक्ति ट्रेन के सामने आकर खड़ा हो गया।



ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर जीआरपी मौके पर पहुंची। शव के टुकड़े करीब 100 मीटर तक पटरी पर बिखरे मिले। कपड़ों से मिले आधार कार्ड से मृतक की पहचान हरौनी निवासी अभिषेक कुमार सिंह के रूप में हुई। जीआरपी ने हरौनी पुलिस चौकी को सूचना दी। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर कपड़ों से उनकी पहचान की। पुलिस के मुताबिक, जांच में पता चला कि अभिषेक 4 नवंबर को हरौनी से ऑटो में निकले थे। वह आलमबाग के सिंगार नगर स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान पर अपनी सोने की अंगूठी बेचने पहुंचे थे।

यूपी में अब लड़ाई 95-5 की है : अखिलेश

- अखिलेश बोले– हमारे घर में शिव और राम गोपाल पहले से



लखनऊ,संवाददाता।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नोटबंदी के 10 साल पूरे होने के मौके पर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने नोटबंदी को भ्रष्टाचार का महासागर बताते हुए कहा कि इस फैसले ने देश की अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया और छोटे कारोबारियों से लेकर आम जनता तक को स्लो पॉइजन की तरह नुकसान पहुंचाया। उन्होंने दावा किया कि नोटबंदी भाजपा के लिए अब श्योटबंदीश का कारण बनेगी। उत्तर प्रदेश में आगामी चुनाव की लड़ाई 80–20 या 20–80 की नहीं बल्कि 95–5 की होगी और भाजपा का पता भी नहीं चलेगा। अखिलेश यादव लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नोटबंदी के समय केंद्र सरकार ने जो बड़े–बड़े दावे किए थे, उनमें से एक भी पूरा नहीं हुआ। इसके बावजूद बाजार में नकदी का चलन बढ़कर करीब 70 प्रतिशत तक पहुंच गया है। नोटबंदी के कारण कई छोटे–बड़े कारखानों पर ताले लग गए और अनेक उद्योग आज तक उस नुकसान से उबर नहीं पाए हैं।

उन्होंने कहा कि नोटबंदी ने देश की अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई। अखिलेश ने अयोध्या जाने के सवाल पर कहा कि हमारे घर में तो शिव और राम गोपाल पहले से ही है। सिर्फ अयोध्या ही नहीं, जल्द ही वृंदावन भी जाऊंगा।उन्होंने कहा कि पीडीए का मतलब पहले दर्शन और फिर आशीर्वाद भी है। अपने दोनों चाचा का नाम लेते हुए कहा कि हमारे घर में शिव और राम दोनों पहले से हैं। कहा कि लोहिया जी कभी रामायण मिलन कराते थे। भाजपाई परेशान हैं कि उनकी जमीन खिसक गई है। अंगद पैर कहां रखेंगे।अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि बैंकों को डुबाने के लिए नोटबंदी की गई, बीजेपी का यह फैसला महाभ्रष्टाचार साबित हुआ। नोटबंदी स्लो पॉइजन की तरह काम कर रही है। आज भी हर वर्ग इससे परेशान है। नोटबंदी की वजह से कारखानों पर ताले लगे, कई उद्योग बंद हो गए। नोटबंदी वोटबंदी का कारण भी बनेगी।उन्होंने एसआईआर को लेकर कहा कि अगर 1 करोड़ 27 लाख वोट कटने की आशंका है तो सपा के सुझावों पर अमल करें। वोटर लिस्ट को आधार से जोड़ें और मेटल कार्ड बनाएं।

भारत का लोकतंत्र मजबूत है: पंकज चौधरी

- देश को अस्थिर करने वाली शक्तियों के मंसूबों को विफल करना सभी का दायित्व
- पूर्व सांसद अरविंद चौधरी और सपा नेता अनिल यादव ने ज्वाइन की बीजेपी



लखनऊ,संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ,ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह एवं परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी के नेता एवं बस्ती से पूर्व सांसद अरविंद चौधरी तथा बांदा के सपा नेता अनिल यादव ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विचारधारा आधारित संगठन है, जिसमें कार्यकर्ता सर्वोपरि होता है। पार्टी में प्रत्येक कार्यकर्ता के परिश्रम, समर्पण और योगदान को सम्मान मिलता है। उन्होंने दोनों नेताओं एवं उनके समर्थकों का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को केवल नारे तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे धरातल पर चरितार्थ किया है। गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना के विस्तार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने सहित प्रत्येक क्षेत्र में बिना भेदभाव के कार्य हुआ है। भाजपा 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।प्रदेश अध्यक्ष ने देश में अराजकता फैलाने के प्रयासों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ शक्तियां देश के लोकतांत्रिक वातावरण को प्रभावित कर भारत को अस्थिर करने का प्रयास कर रही हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारत को बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका जैसी परिस्थितियों की ओर धकेलने की कोशिश की जा रही है? क्या देश में तख्तापलट जैसी परिस्थितियां उत्पन्न करने की मंशा है? ऐसे प्रयासों के प्रति देशवासियों को सजग रहने की आवश्यकता है।श्री चौधरी ने कहा कि भारत का लोकतंत्र मजबूत है। देश के नौजवानों और जागरूक जनता ने अराजकता फैलाने तथा माहौल खराब करने के प्रयासों का मुँहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव केवल किसी व्यक्ति की जीत या सरकार बनाने का चुनाव नहीं है बल्कि देश की स्थिरता, विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का भी विषय है। देश को अस्थिर करने वाली शक्तियों के मंसूबों को विफल करना हम सभी का दायित्व है।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा राष्ट्रहित और जनसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है

। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य लेकर संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भयमुक्त वातावरण में विकास पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है।

दशाश्वमेध क्षेत्र में दुकान की पहली मंजिल पर लगी आग, दमकल कर्मियों ने पाया काबू



वाराणसी,संवाददाता। दशाश्वमेध क्षेत्र स्थित एक दुकान की पहली मंजिल में बुधवार की दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग लगने की सूचना के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने पहुंच कर आग पर काबू पाया। आग लगने की सूचना पर एसीपी दशाश्वमेध विवेक कुमार तिवारी के साथ चौक थाना प्रभारी भी मौजूद रहे। दोपहर दो बजे के पहले ही आग पर काबू पा लिया गया, पुलिस के अनुसार हादसे की बाबत जांच की जा रही है। वहीं दुकान मालिक के अनुसार नुकसान की प्रारंभिक जानकारी सामने नहीं आ सकी है, नुकसान का आकलन कध्यिा जा रहा है। थाना चौक अंतर्गत शाहपुरी मॉल के बगल में स्थित जलान शोरूम के किचन में आग लगने से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। आग बुझाने के लिए दमकल की तीन गाड़ियां लगाई गईं। वहीं, बिजली विभाग की टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गई। मौके पर एसीपी विवेक कुमार तिवारी, चौक थाना प्रभारी बीके शुक्ला और दशाश्वमेध थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह मौजूद रहे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। बताया गया कि दीपावली पर्व के चलते जलान शोरूम पिछले तीन दिनों से बंद था। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

ईको गार्डन में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी



लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के ईको गार्डन में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी है। 72 दिनों से धरने पर बैठे अभ्यर्थियों ने भाई दूज भी धरनास्थल पर मनाया। घर नहीं जा सके तो वीडियो कॉल के जरिए बहनों से बात कर त्योहार मनाया। रोते हुए बहन बोली भैया घर कब आओगे? प्रदर्शनकारियों ने भूख हड़ताल भी शुरू कर दी है। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार और अधिकारियों की लापरवाही के कारण उन्हें घर–परिवार छोड़कर धरना देना पड़ रहा है।

उनका कहना है कि मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने इसे अंतिम सांस तक जारी रखने का ऐलान किया है। प्रदर्शन कर रहे नवीन चौधरी ने कहा कि मुरादाबाद से आए हैं और 3 महीने से घर छोड़कर इको गार्डन में रह रहे हैं। इन्होंने बताया कि रक्षाबंधन पर भी घर नहीं गया उसके बाद दशहरा आया उसमें भी घर नहीं गया । दिवाली इसी इको गार्डन में मनाया और अब भाई दूज भी मना रहे हैं ल। इन्होंने बताया कि वीडियो कॉल के जरिए दशहरा, दिवाली और आज भाई दूज मनाया। अब वीडियो कॉल्सेसिंग ही एक जरिया बचा है कि परिवार से संपर्क कर सकें। इस नौकरी के संघर्ष ने परिवार और त्योहार से दूर कर दिया। 10 सितंबर को हम सभी लोगों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ हुई।

इस दौरान बेसिक और माध्यमिक विभाग के तमाम आलाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है। जब राज्य पिछड़ा आयोग ने मान लिया राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग ने मान लिया और अब सरकार में बैठे अधिकारी मंत्री भी स्वीकार कर रहे हैं कि घोटाला हुआ है तो रोजगार क्यों नहीं मिलता। मगर अब यह मंत्री भी हमसे मिलने और बात करने कतौयार थी। प्रदर्शन कर रहे उत्कर्ष ने कहा कि पिछले 8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण घोटाला हुआ है।

गर्लफ्रेंड से झगड़े के बाद युवक ने लगाई फांसी

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में गर्लफ्रेंड से झगड़े के बाद 22 साल के युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। आत्महत्या से पहले उसने फंदे के साथ अपनी फोटो गर्लफ्रेंड को भेजी थी। पिता की तहरीर पर पुलिस ने महिला मित्र सलोनी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में एफआईआर दर्ज की है। घटना मंगलवार रात करीब साढ़े 10 बजे बाजारखाला इलाके की है। आकांक्ष (22) की सलोनी के साथ शादी होने वाली थी। इसी बीच सलोनी किसी और से बात करने लगी। इसकी जानकारी होने पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। भरतपुरी बी निवासी ओमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा आकांक्ष राजाजीपुरम के डबल पुलिया निवासी सलोनी के संपर्क में था। दोनों के बीच करीब दो साल से दोस्ती थी। पिता का आरोप है कि सलोनी उनके बेटे को प्रताड़ित कर रही थी।

इससे परेशान होकर उसने आत्महत्या कर ली। मृतक के भाई साहिल के मुताबिक, आकांक्ष शकुंतला नाम के ऑफिस में सफाई का काम करता था। वह सलोनी से शादी करना चाहता था और परिवार भी इसके लिए तैयार था। घर में दादी का निधन होने के कारण दिवाली के बाद शादी से जुड़ा कार्यक्रम करने की तैयारी थी। इसी बीच आकांक्ष को पता चला कि सलोनी किसी दूसरे युवक के भी संपर्क में है। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। मंगलवार रात खाना खाने के बाद आकांक्ष छत पर गया।



संपादकीय

आत्मघाती हरकतें

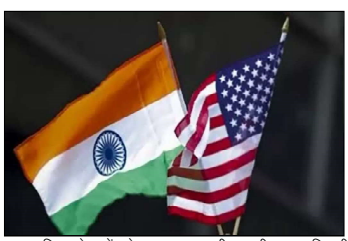
जैसा कि पहले से ही डर भी था दिवाली के बाद देश की राजधानी ही नहीं, दिल्ली से लगते हरियाणा– उत्तर प्रदेश स्थित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों में शहरों के गैस चौंबर बनने की खबरें मीडिया में आई हैं। जिसमें सत्ताधीशों की काहिली और नागरिकों के गैर–जिम्मेदार व्यवहार की बराबर की भूमिका रही है। जब वायु प्रदूषण की बात होती है तो सिर्फ दिल्ली की बात होती है, जबकि शेष देश में भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही है। हमारा गैर जिम्मेदार व्यवहार केवल दिवाली के समय ही नजर नहीं आता, हम चुनाव के दौरान भी स्वास्थ्य से जुड़े गंभीर मसलों को मुद्दा बनाने की कोशिश नहीं करते। सर्दियों की शुरुआत में मौसमी बदलाव, हवा के प्रवाह में कमी, बढ़ते वाहनों का प्रदूषण, निर्माण कार्य में धूल को लेकर लापरवाही व उद्योगों द्वारा पैदा प्रदूषण मिलकर स्थिति को जानलेवा बना देते हैं। एक बार फिर साबित हुआ कि सत्ताधीश जहरीली हवा से अपने नागरिकों को बचाने में नाकाम रहे हैं। अब तो सवाल प्रदूषण को लेकर सामने आने वाले आंकड़ों की हकीकत को लेकर भी उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि पिछले पांच सालों में इस बार सबसे ज्यादा प्रदूषित दिवाली रही है। लेकिन वास्तविक आंकड़े सामने नहीं आए हैं। कहा गया कि प्रदूषण के चरम समय के दौरान दिल्ली के बीस से अधिक मॉनिटरिंग स्टेशनों से डेटा भेजना बंद कर दिया गया। जिससे सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता को लेकर भी सवाल उठे हैं। बताया गया कि प्रदूषण मापने वाले काफी स्टेशन काम नहीं कर रहे थे। ऐसे में जब लाखों लोग अपने सेहत को लेकर इन आंकड़ों पर निर्भर रहते हैं, तो सरकारी–निजी प्लेटफॉर्मों के आंकड़ों के अंतर ने जनता के संदेह को गहरा किया है। इसकी जवाबदेही के लिए जांच जरूरी है। विडंबना यह है कि इस आपात स्थिति में राजनीतिक दल बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं। फलतरू इस जहरीली हवा में लोगों का दम घुटता है। एक ओर जहां 'आप' दिल्ली की भाजपा सरकार पर नियमों को ठीक से लागू न करने व प्रदूषण आंकड़ों में हेराफेरी का आरोप लगा रही है। वहीं भाजपा 'आप' शासित पंजाब में पराली जलाने को प्रदूषण का कारण बता रही है। तात्कालिक कारकों को नजरअंदाज कर भी दें, लेकिन वाहनों, उद्योगों और कृषि से होने वाले उत्सर्जन की पारदर्शी–नियमित निगरानी जरूरी है। प्रशासन स्वास्थ्य से जुड़ी सलाहों को प्रभावी बनाए ताकि बच्चों–बुजुर्गों और श्वसनतंत्र से जुड़े रोगों से जूझ रहे लोगों को राहत मिले । सालों से हम राजनीतिक नौटंकी, बहानेबाजी व कामचलाऊ उपायों को देख रहे हैं। लेकिन मिलजुलकर ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। आखिर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बावजूद प्रशासनिक तंत्र क्यों नहीं जागता? नागरिक भी पर्यावरण रक्षा के लिये अपनी हिस्से की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभाते? बेहतर हो कि हम पर्व पर पटाखे प्रतीकात्मक रूप में ही ही जलायें। किसी उत्सव को मनाने के तौर–तरीके समाज ही बनाता है। जिसमें समय–हालात के हिसाब से बदलाव भी होता है। लेकिन हम आतिशी जिद में अपने व लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। विदेशों में भारत की छवि खराब कर रहे हैं। फिर यह आत्मघाती कवायद क्यों? चिकित्सा विशेषज्ञ बताते हैं कि यदि एक्यूआई तीन सौ होता है तो हमारी उम्र साढ़े तीन साल तक घट सकती है।



भारतीय नीति-निर्माताओं को संपर्क बढ़ाने की जरूरत

कल्याणी शंकर

हाल ही में हुए अमेरिकी मध्यावधि चुनावों ने अमेरिकी राजनीति में नई जटिलताएं पैदा कर दी है लेकिन भारत–अमेरिका संबंध मूल रूप से मजबूत बने हुए हैं। भारत को दोनों प्रमुख अमेरिकी दलों (डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन्स) का समर्थन बनाए रखना होगा और अमेरिका की बदलती प्राथमिकताओं के अनुसार खुद को ढालना होगा। चूंकि दोनों देश चूकि वैश्विक चुनौतियोंकृजैसे बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा, आर्थिक बदलाव और जलवायु परिवर्तनकृका सामना कर रहे है इसलिए क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उनके बीच की साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण होगी। दोनों अमेरिकी दलों का समर्थन बनाए रखने, नीतिगत बदलावों के बीच तालमेल बिठाने और अमेरिका के विभिन्न हितधारकों के साथ सहयोग बढ़ाने में भारत के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं और कुछ नए अवसर भी। चूंकि दोनों लोकतंत्र साझा वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, इसलिए उनकी साझेदारी की मजबूती क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों को प्रभावित करती रहेगी। मध्यावधि चुनावों के नतीजों से अमेरिकी संसद (कांग्रेस) बंट गई हैकृसीनेट पर अभी भी डेमोक्रेट्स का नियंत्रण है, जबकि हाउस (प्रतिनिधि सभा) अब रिपब्लिकन्स के पास है। भारत के लिए इसका मतलब यह है कि नीतियां तो काफी हद तक वैसी ही रहेंगी, लेकिन अमेरिकी फैसलों की प्रक्रिया धीमी हो सकती है और उनके बारे में पहले से अंदाजा लगाना मुश्किल हो सकता है। विदेश मामलों, रक्षा और व्यापार से जुड़ी अहम समितियों में नए नेता आ सकते हैं और उनकी प्राथमिकताएं भी बदल सकती हैं। इसलिए, भारत को दोनों दलों के नेताओं के साथ संपर्क बनाए रखना चाहिए और अमेरिकी विधायी एजेंडे में होने वाले बदलावों पर नजर रखनी चाहिए। भारत–अमेरिका संबंधों को दोनों अमेरिकी दलों का मजबूत समर्थन हासिल है। दोनों ही दल भारत को स्ट्रंडो–पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता के लिए और चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए एक अहम देश मानते हैं। रक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग पहले की तरह जारी रहना चाहिए, लेकिन व्यापार, रक्षा या आव्रजन (इमिग्रेशन) से जुड़ी नई पहलों में देरी हो सकती है। भारतीय अधिकारियों को अमेरिका के राजनीतिक, कारोबारी और



सामुदायिक नेताओं के साथ व्यापक संपर्क बनाए रखना होगा।

अमेरिका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है, और दोनों देशों के बीच बड़े पैमाने पर व्यापार और निवेश होता है। मध्यावधि चुनावों के कारण व्यापार नीति में कोई बहुत बड़ा बदलाव आने की संभावना नहीं है, लेकिन टैरिफ (शुल्क), बाजार तक पहुंच और सप्लाई चेन जैसे मुद्दों पर फिर से बहस छिड़ सकती है। फार्मास्यूटिकल्स, आईटी और कृषि जैसे क्षेत्र अमेरिकी नीतियों में होने वाले बदलावों के प्रति संवेदनशील हैं। साथ ही, तकनीक या बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) में भारतीय निवेश की अधिक बारीकी से जांच की जा सकती है। फिलहाल चल रही व्यापार वार्ता से एक सीमित समझौता हो सकता है, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेगा।

प्रौद्योगिकी और नवाचार (इनोवेशन) भारत–अमेरिका संबंधों के मुख्य आधार बने हुए हैं। इसमें एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), साइबर सुरक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में संयुक्त शोध शामिल हैं। तकनीकी हस्तांतरण, डेटा और डिजिटल नीति पर अमेरिकी कांग्रेस के कदम भारतीय कंपनियों को सीधे प्रभावित करते हैं। भारतीय पेशेवरों के लिए आव्रजन (इमिग्रेशन), विशेष रूप से एच–1बी वीजा, बहुत महत्वपूर्ण है, हालांकि इसमें बड़े सुधारों की संभावना कम ही है। अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की बढ़ती संख्या, अपनी वकालत और सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत बनाती है। दोनों देश एक स्थिर हिंद–प्रशांत क्षेत्र और चीन के प्रभाव को रोकने में समान रुचि रखते हैं। रक्षा सहयोग, संयुक्त सैन्य अभ्यास और खुफिया जानकारी का आदान–प्रदान जारी रहेगा, हालांकि अमेरिकी कांग्रेस की समीक्षाओं के कारण हथियारों की बिक्री और तकनीकी हस्तांतरण की प्रक्रिया धीमी हो सकती है। रूस और ईरान के प्रति अमेरिकी नीति भी भारत को प्रभावित करेगी, खासकर ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय कूटनीति के मामले में। जलवायु और सार्वजनिक स्वास्थ्य अब अधिक प्राथमिकता वाले विषय बन गए हैं, लेकिन अमेरिकी कांग्रेस के भीतर मतभेदों के कारण इस दिशा में प्रगति धीमी हो सकती है। अमेरिका और भारत स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु अनुकूलन और सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं, जिसमें संयुक्त अनुसंधान और नवीकरणीय ऊर्जा (रिन्यूएबल एनर्जी) में निवेश शामिल है। भारत का फार्मा उद्योग अमेरिकी नियामक बदलावों पर कड़ी नजर रखता है, क्योंकि भारत जेनेरिक दवाओं का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। मध्यावधि चुनाव के परिणाम अनिश्चितता लेकर आए हैं, लेकिन साथ ही इससे नए अवसर भी पैदा होने की संभावनाएं हैं। भारत अमेरिकी राज्यों, शहरों, व्यापार समूहों और नागरिक समाज के साथ अपना सहयोग गहरा कर सकता है।

निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता का सवाल

अरुण कुमार नायक

लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता सूची नागरिक के राजनीतिक अधिकार की आधारशिला है। इसमें अपात्र व्यक्ति का नाम होना जितना अनुचित है, उतना ही गंभीर किसी पात्र नागरिक का नाम हटाया जाना भी है। इसलिए नियमित पुनरीक्षण आवश्यक है, लेकिन इसकी प्रक्रिया और पारदर्शिता निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता तथा लोकतंत्र में नागरिकों के विश्वास से जुड़ी है। देश के अनेक राज्यों में चल रहा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) इसी कसौटी पर चर्चा के केंद्र में है। क्या नागरिक इस प्रक्रिया से अनभिज्ञ थे? पूरी तरह ऐसा नहीं कहा जा सकता। आयोग ने जागरूकता अभियान चलाया, फिर भी अनेक लोग प्रक्रिया की गंभीरता और समय पर प्रपत्र न भरने के परिणामों से अनजान रहे। कुछ रोजगार में व्यस्त थे तो कुछ तक सूचना नहीं पहुंची। लेकिन नागरिकों की अनभिज्ञता आयोग को अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं करती। उसका दायित्व सूचना पहुंचाने के साथ आवश्यक सहायता देना भी है। विशेष गहन पुनरीक्षण के विभिन्न चरणों में देशभर की प्रारूप मतदाता सूचियों से लगभग 13.37 करोड़ नाम हटाए गए थे। बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में इस प्रक्रिया को लेकर विशेष विवाद और असंतोष सामने आया। हटाए गए नामों में मृत, स्थानांतरित, अनुपस्थित और दोहरी प्रविष्टियों वाले मतदाता शामिल हो सकते हैं। लेकिन इतने बड़े पैमाने पर नाम हटने के बाद यह जांचना जरूरी है कि कितने नाम उचित कारणों से हटे और कितने पात्र मतदाता प्रशासनिक या तकनीकी त्रुटियों के शिकार हुए। अनेक लोगों की शिकायत थी कि लंबे समय से सेवा में रहने और बीएलओ के सामने गणना प्रपत्र भरने के बावजूद प्रारूप सूची से उनके नाम गायब थे। कुछ को स्थानांतरित बताकर हटा दिया गया, जबकि कुछ को मृत बता कर। ऐसे मामले मतदाता सूची की शुद्धता के साथ किसी व्यक्ति को अनुपस्थित या स्थानांतरित घोषित करने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हैं। दूसरी ओर, विशेष शिविरों में कम उपस्थिति भी नागरिकों की उदासीनता दर्शाती है। अनेक लोगों को नाम हटाए जाने की जानकारी नहीं थी या वे प्रपत्र और दस्तावेजों को लेकर असमंजस में थे। दिहाड़ी मजदूरों के लिए काम छोड़कर शिविर पहुंचना कठिन था। पुराने दस्तावेज न होने पर बार–बार कार्यालय जाने से भी लोग बचते रहे। वर्ष 2002 की पुरानी मतदाता सूची से अपना या माता–पिता का संबंध स्थापित करना भी अनेक लोगों के लिए कठिन रहा। कई लोगों को उस समय का मतदान केंद्र या विधानसभा क्षेत्र याद नहीं था। जिनका पुरानी सूची से संबंध नहीं जुड़ पाया, उन्हें वैकल्पिक दस्तावेज जुटाने पड़े। कुछ आवेदकों को यह स्पष्ट नहीं था कि कौन–से दस्तावेज मान्य होंगे। पुरानी सूची सत्यापन का एक माध्यम हो सकती है, लेकिन उसके आधार पर संबंध स्थापित न कर पाने वालों को वर्तमान वैध



दस्तावेजों से अपनी पात्रता प्रमाणित करने की सहज सुविधा मिलनी चाहिए। इस प्रक्रिया में बीएलओ पर घर–घर जाकर गणना प्रपत्र भरवाने, अनुपस्थित लोगों की जानकारी जुटाने, नोटिस पाने वालों से संपर्क करने और शिविरों में काम करने की जिम्मेदारी है। मकान संख्या दर्ज न होने से घरों की पहचान में भी कठिनाई आती है। महीनों तक क्षेत्र में काम करने से उनके नियमित कार्यालयीन दायित्व प्रभावित होते हैं। पर्याप्त संसाधन और सहयोग दिए बिना सर्वेक्षण, सत्यापन और मतदाताओं की सहायता का पूरा भार बीएलओ पर डालना उचित नहीं है। कठिनाइयां सामने आने पर आयोग ने विशेष शिविर लगाए, अधिकारियों की संख्या बढ़ाई, नोटिसों के निपटारे में छूट दी और कई राज्यों में समय–सीमा बढ़ाई।

दिल्ली में भी अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की तारीख आगे बढ़ाई गई। ये कदम बताते हैं कि प्रक्रिया में सुधार की जरूरत पड़ी। सवाल है कि अनुभवी अधिकारियों और तीनों निर्वाचन आयुक्तों की मौजूदगी के बावजूद इन कठिनाइयों का पूर्वानुमान क्यों नहीं लगाया गया? यह आयोग की योजना, तैयारी और कार्यप्रणाली पर प्रश्न खड़े करता है। सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामे में आयोग ने एसआईआर के प्रमुख निर्णयों को तीनों निर्वाचन आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिया गया बताया है। दूसरी ओर, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की ओर से दर्ज टिप्पणियों और आपत्तियों की खबरें भी सामने आई हैं। आयोग का कहना है कि व्यक्तिगत टिप्पणियां अपने आप में आयोग के निर्णय नहीं हैं। मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या निर्णय लेने से पहले सभी आयुक्तों को पर्याप्त जानकारी और परामर्श मिला? फॉर्म–6 के साथ अतिरिक्त घोषणा–पत्र जोड़ने का विवाद भी इसी संदर्भ में उल्लेखनीय है। आयोग के अनुसार, फॉर्म–6 में औपचारिक संशोधन नहीं किया गया था, बल्कि पुराने मतदाता रिकॉर्ड का विवरण देने के लिए अलग घोषणा–पत्र जोड़ा गया था। आयोग ने स्वीकार किया कि ऑनलाइन पोर्टल पर इसे फॉर्म के साथ प्रदर्शित करने से संशोधन का भ्रम पैदा हो सकता था। बाद में दोनों को अलग करने का निर्णय लिया गया। सवाल है कि महत्वपूर्ण वैधानिक प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाले प्रपत्र को लागू करने से पहले पर्याप्त स्पष्टता क्यों नहीं बरती गई? यह प्रकरण आयोग की आंतरिक परामर्श और निर्णय प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी प्रश्न उठाता है।

उत्तर प्रदेश की विधान परिषद की मतदाता सूची में सामने आई 158 असामान्य प्रविष्टियां भी तकनीकी व्यवस्था के साथ मानवीय जांच और सत्यापन की जरूरत रेखांकित करती हैं। 14.81 लाख प्रविष्टियों में इनकी संख्या भले कम हो, लेकिन ऐसी गलतियां बताती हैं कि केवल सॉफ्टवेयर पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। मतदाता सूची पुनरीक्षण में निजी क्षेत्र के कर्मचारियों और शिक्षकों की सेवाएं लेने पर विचार किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए स्पष्ट कानूनी प्रावधान, पारदर्शी चयन, प्रशिक्षण और जवाबदेही जरूरी है। निर्वाचन आयोग अपना स्थायी प्रशिक्षित तकनीकी और मैदानी कर्मचारी ढांचा विकसित करे, ताकि बीएलओ पर अतिरिक्त बोझ न पड़े और अंतिम सत्यापन तथा निर्णय वैधानिक निर्वाचन अधिकारियों के पास रहें। एसआईआर की विश्वसनीयता के लिए नाम हटाने से पहले मतदाता को व्यक्तिगत सूचना और पक्ष रखने का अवसर मिले। केवल बीएलओ की रिपोर्ट पर नाम न हटे तथा वैकल्पिक दस्तावेजों से सत्यापन की सुविधा हो। आवेदन और शिकायत की व्यवस्था सरल बने। मतदाता सूची से सम्बंधित मामलों के आंकड़े सार्वजनिक हों। निगरानी में राजनीतिक दलों के साथ स्वतंत्र सामाजिक संगठनों को भी शामिल किया जाए।

सरकारी आंकड़े और जीवन का गणित

सबसे बड़ी बात, धुआं वर्क फ्रॉम होम नहीं करता। वह रोज समय पर, पूरी हाजिरी के साथ आता है और बिना छुट्टी लिए सबके फेफड़ों में दफ्तर खोल लेता है। वह ओवरटाइम का भी दावा नहीं करता। बारिश आती है तो क्रिकेट में गणित आ जाता है, और गणित आता है तो समझ विदा हो जाती है। न्यूजीलैंड में मैचों में भारत की जीत के पीछे डीएलएस मैथड यानी डकवर्थ–लुईस–स्टर्न मैथड रहा। डीएलएस मैथ्ड एक तरह से मॉडर्न आर्ट की तरह है, बहुत कम लोगों को समझ आता है। यह क्रिकेट नहीं, गणित है। गणित सिर्फ खाता–बही कारोबार में ही नहीं होता, क्रिकेट में भी गणित होता है। हालांकि अब क्रिकेट भी बड़ा कारोबार है।

वहां गणित डीएलएस का है, यहां दिल्ली की हवा में अलग गणित घुसा हुआ है। एक्यूआई का सरकारी सूचकांक तीन सौ पार कर गया यानी 'बहुत खब्राब', ग्रैप का तीसरा चरण लागू और छोटे बच्चों के स्कूल हाइब्रिड। उसी दिन एक विदेशी मॉनिटर सात सौ के पार बता रहा था। दो मशीनें, दो सच। जनता बीच में सांस ले रही है। एक्यूआई भी अब डीएलएस हो गया है, समझना मुश्किल है। दिल्लीवालों ने आखछिकार दो नए शब्द सीख लिए हैंकृएक्यूआई और हाइब्रिड। अब पड़ोसी 'कैसे हैं?' नहीं पूछता, पूछता है, 'आज कितना?' और जवाब मिलता है, 'तीन सौ चौंसठ, भाईसाहब।' जैसे शेयर बाजार का सूचकांक हो, बस फर्क इतना कि इसमें गिरावट पर मुनाफा नहीं, राहत मिलती है। हाइब्रिड का मतलब भी अब साफ है। मास्टरजी स्क्रीन पर, बच्चा मास्क में, और दोनों के बीच नेटवर्क और धुआं। दफ्तर आधे घर से चल रहे हैं, यानी आधा काम घर में, आधी खांसी दफ्तर में। सरकारी नीतियां भी हाइब्रिड हैंकृआधी घोषणा कागज पर, आधी अमल में, और अमल वाला आधा अक्सर धुंध में खो जाता है।

सबसे बड़ी बात, धुआं वर्क फ्रॉम होम नहीं करता। वह रोज समय पर, पूरी हाजिरी के साथ आता है और बिना छुट्टी लिए सबके फेफड़ों में दफ्तर खोल लेता है। वह ओवरटाइम का भी दावा नहीं करता। पराली का इल्जाम हर पार्टी अपनी–अपनी दिशा में फूंकती है और धुआं बिना किसी भेदभाव के हर घर में पहुंच जाता है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेट्स ने कांग्रेस पर कब्जा कर लिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने नतीजा स्वीकार तो किया, पर साथ में कहा कि अगर वे खब्द मतपत्र पर होते, तो रिपब्लिकन भारी बहुमत से जीतते। यह संशोधित लक्ष्य की सबसे साहसी मिसाल हैकृमैच हार गए, पर फॉर्मूला ऐसा बताया कि जीत का दावा बचा रहे। ट्रंप ने पॉलिटिक्स को पहलवानी में बदल दिया है। पहलवानी भी कॉमेडी वाली। बातें वह मारखाड़ की करते हैं, जिन पर अब हंसी आती है। ट्रंप खब्द को हीरो समझते हैं, देखने वाले उन्हें कॉमेडियन मानते हैं।

युवाओं का भरोसा फिर से कायम करने का समय

दुनियाभर में शासन और नागरिकों के बीच भरोसा कमजोर पड़ रहा है। यूरोप और एशिया में विरोध प्रदर्शनों से यह जाहिर है। युद्ध, महंगाई व बेरोजगारी से बेचैनी बढ़ी। भारत में भी बेरोजगारी व कमजोर शिक्षा–स्वास्थ्य प्रणाली की गंभीर चुनौतियां हैं। विशाल युवा आबादी से फायदा लेना है तो उनकी समस्याओं का समाधान भी जरूरी है।

जैसा कि जीन–जैक्स रूसो ने कहा हैकृसामाजिक अनुबंध वह आधार है जिस पर नागरिक साझी व्यवस्था बनाने एवं जनकल्याण के लिए अपनी नैसर्गिक स्वतंत्रता को संप्रभु शासन अथवा कानून के अनुसार चलने वाली सरकार द्वारा शासित होने के लिए छोड़ना गवारा करते हैं अर्थातद्द वोलोन्टे जेनरल (स्वैच्छिक सामान्य इच्छा)। और यह 'सामाजिक अनुबंध' आज दुनिया के अधिकांश हिस्सों में टूटा पड़ा है। युद्ध, दंगे, बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और हड़तालें इस घटनाक्रम का स्पष्ट प्रतिबिंब हैं।

चरम आंदोलन और पार्टियों का उदय, चाहे वे चरम वामपंथी हों या दक्षिणपंथी, खतरनाक संभव के अग्रद्रूत हैं। सरकार और नागरिक, दोनों को, इस टूटे अनुबंध पर पुनरु विचार करना चाहिए। मैं इसे टूटा हुआ कहता हूं क्योंकि राज्य के सात प्राथमिक कर्तव्य–रक्षा एवं सुरक्षाय कानून एवं व्यवस्थाय न्यायय अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षाय सार्वजनिक वस्तुएं और बुनियादी ढांचा निर्माणय आर्थिक प्रबंधनय और सामाजिक कल्याणकृ आज अधिकांश देशों में अव्यवस्था की स्थिति में हैं। हम ऐसे समय में रह रहे हैं जहां दुनिया परस्पर युद्धरत है। मानव जाति का इतिहास मोटे तौर पर युद्ध का वर्णन ही है। इलाके, व्यापार और साम्राज्य–निर्माण को को लेकर युद्ध, आंतरिक अस्थिरता से ध्यान भटकाने और 'विदेशी हाथ' को दोष देने की इच्छा रखने वाले नेताओं द्वारा हमेशा उचित ठहराया जाता है। इन युद्धों में राष्ट्र एक–दूजे पर हमले करते रहते हैं और लाखों–करोड़ों निर्दोष लोग फंस जाते हैं। मतलब यह भी कि देश की संपत्ति और वित्त का बड़ा हिस्सा युद्धक प्रयासों में लगा दिया जाता है, नतीजन शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक उत्थान पर जोर कहीं पीछे छूट जाता है, देश के भीतर असमानता एवं कलह बढ़ जाती है। आज जिस ओर भी देखें, हम देशों को युद्ध में उलझे पा रहे हैं या तो वे सीधे तौर पर शामिल हैं, सक्रिय या निष्क्रिय रूप से मदद दे रहे हैं या व्यापक विध्वंस पहुंचा रहे हैं। यूक्रेन को नाटो और रूस को चीन एवं उत्तर कोरिया का समर्थन प्राप्त है। रूसी और यूक्रेनी अर्थव्यवस्थाएं खस्ताहाल हैं यूक्रेन को हथियारों और सामरिक समर्थन की एवज में अमेरिका को अपने विशाल प्राकृतिक संसाधन देने पड़ रहे हैं। रूस लगभग पूर्ण आर्थिक नाकेबंदी के तहत है, वह चीन पर अत्यधिक निर्भर है। रूसी–यूक्रेनी तेल, गैस और गेहूं की बाधित आपूर्ति के चलते बढ़ी मुद्रास्फीति के कारण दुनिया के बाकी हिस्सों को भी भारी नुकसान हो रहा है। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों ने अपने अन्य क्षेत्रों की एवज में सैन्य खर्च में भारी वृद्धि की। यूरोप अब घरेलू अशांति, कलह का नया मैदान है। फ्रांस, इटली, जर्मनी व सर्बिया में हाल में हिंसक आंदोलन हुए जिनमें सैकड़ों–हजारों प्रदर्शनकारी सुरक्षा बलों से भिड़ते रहे। संपत्तियां लूटी



गईं या नष्ट की गईं।

फ्रांस में आंदोलन छात्र प्रदर्शनों के साथ शुरू हुआ और समाज के अन्य वर्गों में फैल गया, जिसमें पैरेंट्स, शिक्षक और पेशेवर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। छात्र दोयम बुनियादी ढांचे और शिक्षकों की कमी को लेकर आंदोलनरत थे। जैसे–जैसे यह अन्य वर्गों में फैला, पर्याप्त और सस्ते आवास की समस्या, जीवनयापन की बढ़ती लागत और तेल की कीमत जैसी मांगें जुड़ती गईं। इन देशों में अनियंत्रित आप्रवासन को अक्सर अव्यवस्था के लिए दोषी ठहराया जाता है। एक दशक से, अधिकांश यूरोप में बेरोजगारी, उच्च मुद्रास्फीति व जीवन स्तर में गिरावट सहित अर्थव्यवस्था गतिहीन पड़ी है।

इसी तरह, अगर मध्य पूर्व को देखें, तो लगता है हर कोई हर किसी से लड़ रहा है, ईरान अमेरिकियों और इस्राइलियों के निशाने पर है। युद्ध ने पूरे क्षेत्र को चपेट में ले लिया और इसके नतीजे ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को पुनरु प्रभावित किया, बढ़ती मुद्रास्फीति, बाधित आपूर्ति श्रृंखला व जीवनयापन की बढ़ी लागत ने अधिकांश परिवारों को हानि पहुंचाई। दक्षिण अमेरिका में अमेरिका ने वेनेजुएला पर कब्जा कर लिया। 'डोनरो डॉक्ट्रिन' (मोनरो डॉक्ट्रिन का डोनाल्ड ट्रंप संस्करण) को अपनी नीति का आधार बना अमेरिका सैन्य व आर्थिक रूप से महाद्वीप पर हावी होने की कोशिश में है।

एशिया में, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका में हिंसक आंदोलन और उसके साथ सत्ता परिवर्तन देखा गया। यह सूची लंबी है और मैंने कुछ को ही छुआ है। उन सभी में समान सूत्र यह कि सरकार और लोगों के बीच सामाजिक अनुबंध, अक्षरशरु और भावनात्मक रूप से, दोनों तरह, टूटा हुआ प्रतीत होता है। घर की बात करें तो, भारत की 1951 की जनगणना के अनुसार, शिक्षित लोग (कम से कम मैट्रिक पास) की संख्या पूरी आबादी (लगभग 36 करोड़) का करीब 1 फीसदी यानि 36 लाख थीय स्नातक बेरोजगारी उस 1 प्रतिशत की लगभग 5 फीसदी (लगभग 2 लाख) थी। इसकी तुलनाआज युवा स्नातकों में लगभग 40 प्रतिशत बेरोजगारी से करें। आज देश की जनसंख्या (140 करोड़ या अभी भी बढ़ रही है) 1951 की जनगणना की तुलना में चार गुना अधिक है। हर साल लगभग 50 लाख स्नातक जॉब मार्केट में प्रवेश करते हैं... आप अपने निष्कर्ष खुद निकाल सकते हैं। केवल ऐसा नहीं है कि अवसर सीमित हैंय यहां मामला तथाकथित स्नातक की गुणवत्ता का भी है।

हमारी विशाल जनसंख्या, जिसका आधा हिस्सा तीस वर्ष से कम आयु का है, देश का जनसांख्यिकीय लाभांश होना चाहिए। दुर्भाग्य से, कुल मिलाकर यह अल्प शिक्षित, अल्पपोषित और बेरोजगार है। यह तेजी से एक 'टाइम बम' बनता जा रहा है, जिसका दुरुपयोग इस देश की सफलता के विरोधी तत्व कर सकते हैं। लंबे समय से हमारे राजनीतिक नेता शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल की अनदेखी करते आए हैं, इन बुनियादी क्षेत्रों को मामूली बजट आवंटित किया जाता है और जनता को अशिक्षित रखने को तरजीह है ताकि वह झांसे में आती रहे और उसे स्वार्थी उद्देश्यों के लिए मनमाफिक हांका जा सके। 20–29 वर्ष के आयु वर्ग में एक करोड़ बेरोजगार होना, चुनौतीपूर्ण आंकड़ा है यह कुछ देशों की आबादी से भी अधिक है। चिंताजनक है कि हमारे पास कोई सामाजिक सुरक्षा तंत्र नहीं। जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने इस स्थिति को ऐसे अभिव्यक्त किया है रू 'सबसे बड़ी बुराई और सबसे बुरा अपराध गरीबी है'। हमारे यहां बड़ी संख्या में लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं। सोशल मीडिया व व्यापक दुनिया से जुड़े युवाओं की आकांक्षाएं कहीं अधिक हैं। यह आयु वर्ग आसानी से कट्टरपंथी बन जाता है, खासकर जब सत्तारूढ़ दल स्वयं ऐसी विचारधारा प्रचार करने वाले हों। जहां कहीं बेरोजगारी और उससे जुड़ी बुराइयां सामने आने लगती हैं वहां पर एक प्रवृत्ति देखी जा रही है, जिसे दुनियाभर में चरम दक्षिणपंथियों या वामपंथियों की बढ़ती जीत संग देखा जा सकता है। तेज बढ़ते शत्रुतापूर्ण वैश्विक और क्षेत्रीय माहौल में हम हाथ–पर–हाथ धरना गवारा नहीं कर सकते।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा के विरोध में तहसील परिसर में गरजे लोगों ने सौंपा ज्ञापन, जल्द गिरफ्तारी का मिला आश्वासन



संवाददाता

हरैया, बस्ती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ यूट्यूबर विनोद पाल द्वारा कथित तौर पर अभद्र एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग किए जाने को लेकर लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। इसी मामले को लेकर बुधवार को ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हरिद्वार मिश्रा एवं समाज सेवी चंद्रमणि पाण्डेय के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में लोग तहसील परिसर हरैया पहुंचे। जहां तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मामले में कड़ी कार्यवाही और आरोपी यूट्यूबर की जल्द गिरफ्तारी की मांग उठाई गई। इसके बाद हरैया थाने पहुंचकर थाना प्रभारी को भी ज्ञापन सौंपा गया।

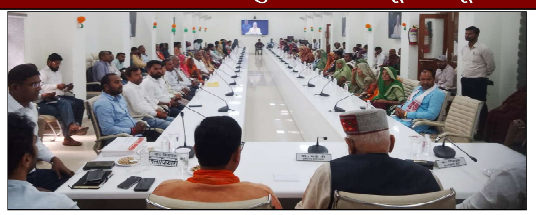
इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मांग किया कि सार्वजनिक पदों पर बैठे संवैधानिक पदाधिकारियों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करने के मामले में निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए।

वहीं पुलिस प्रशासन की ओर से मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया गया।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार सभी को है, लेकिन उसकी आड़ में किसी के खिलाफ अमर्यादित और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग स्वीकार नहीं किया जा सकता।

1,146 नवचयनित कनिष्ठ सहायकों को मिले नियुक्ति पत्र 4,300 किसान परिवारों को 215 करोड़ की सहायता राशि

मुख्यमंत्री ने कहा — अन्नदाता किसानों और युवाओं के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है सरकार



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑनलाइन माध्यम द्वारा राजस्व विभाग के लिए नवचयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए तथा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 4,300 लाभार्थियों को 215 करोड़ रुपये की सहायता राशि आवंटित की। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों और युवाओं के साथ मजबूती से खड़ी है। राजस्व विभाग में अब तक 10,836 नियुक्तियां की जा चुकी हैं तथा 7,994 लेखपालों की भर्ती शीघ्र पूरी होगी। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त 2026 तक 9.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। 26 जनवरी तक एक लाख और युवाओं को नियुक्ति पत्र देने का लक्ष्य है। साथ ही 42 हजार से अधिक होमगार्ड जवानों की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और सत्यापन के बाद उन्हें भी नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रतीकात्मक रूप से 10 नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। वहीं मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर कुल 4,300 लाभार्थियों के लिए 215 करोड़ रुपये की सहायता राशि आवंटित की। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार, देवरिया में किया गया, जहां कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी, रामपुर कारखाना विधायक सुरेंद्र चौरसिया एवं जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी, संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों, लाभार्थी, उनके परिजन व प्रबुद्धजनों सहित उपस्थित अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री के संबोधन तथा नियुक्ति पत्र एवं सहायता राशि वितरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। लाइव प्रसारण के उपरांत कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद की विभिन्न तहसीलों से आए मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के 9 लाभार्थियों को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी एवं रामपुर कारखाना विधायक सुरेंद्र चौरसिया द्वारा पांच–पांच लाख रुपये के प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए गए।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि जनपद के चयनित 24 कनिष्ठ सहायकों को आज मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत 4,300 लाभार्थियों को कुल 215 करोड़ रुपये की सहायता राशि वितरित की गई है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त अर्नव तूफान एवं अत्यधिक बारिश से फसलों को हुए नुकसान की भी क्षतिपूर्ति प्रदान की गई है। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों एवं निराश्रित व्यक्तियों की देखभाल और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए सरकार सदैव उनके साथ खड़ी है। सरकार का प्रयास है कि सभी निराश्रित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें संचालित योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। ऐसे बच्चे, जिनके माता–पिता की मृत्यु हो चुकी है, उनके जीवन एवं देखभाल के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सहित अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। इसके तहत पात्र बच्चों को पढ़ाई एवं भरण–पोषण के लिए प्रतिमाह 4,000 रुपये देने की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना सहित किसी भी सरकारी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए लाभार्थी दलालों एवं बिचौलियों के चक्कर में न पड़ें। लाभार्थी स्वयं पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए किसी प्रकार के मुकदमे अथवा कानूनी प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं है। सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि दुर्घटना में परिवार के कमाऊ सदस्य की मृत्यु होने पर परिवार को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता था। ऐसे परिवारों की पीड़ा को समझते हुए मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना संचालित की गई है। इसके अंतर्गत प्रभावित परिवार को पांच लाख रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। रामपुर कारखाना विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने कहा कि दुख की घड़ी में यदि कोई पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है तो वह सरकार है। गरीबों, निराश्रितों और किसानों के लिए सरकार के साथ–साथ हम सभी उनके साथ हैं। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कार्यक्रम में उपस्थित कृषि मंत्री, जनप्रतिनिधियों, अतिथियों एवं लाभार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) पंकज प्रकाश राठौर एवं मुख्य राजस्व अधिकारी चंद्रेश कुमार सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत जनपद के नौ लाभार्थियों निधू देवी, अंजना यादव, चन्द्रा पांडेय, रमावती, सुनीता, शंभू चौहान, अभिषेक सोनकर, बरफी देवी एवं बिंदु देवी को पांच–पांच लाख रुपये की सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए गए।

13 नवंबर से शुरू होगा छठ महापर्व, 15 को डूबते और 16 को उगते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य : आचार्य अजय शुक्ल

नहाय-खाय से खरना तक चार दिनों तक चलेगा सूर्योपासना का पर्व, 16 नवंबर को होगा व्रत का पारण



सलेमपुर, देवरिया। लोक आस्था और सूर्योपासना का महापर्व छठ इस वर्ष 13 नवंबर से शुरू होकर 16 नवंबर तक मनाया जाएगा। चार दिनों तक चलने वाले इस पवित्र पर्व में भगवान सूर्यदेव और छठी मैया की विधि–विधान से पूजा की जाती है। छठ व्रती परिवार की सुख–समृद्धि, संतान की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए कठिन व्रत रखते हैं। उक्त बातें बताते हुए आचार्य अजय शुक्ल ने कहा कि छठ महापर्व के पहले दिन 13 नवंबर शुक्रवार को नहाय–खाय के साथ पर्व की शुरुआत होगी। इस दिन व्रती स्नान कर घर की साफ–सफाई करते हैं तथा लौकी की सब्जी, चने की दाल और अरवा चावल सहित सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। दूसरे दिन 14 नवंबर शनिवार को खरना मनाया जाएगा। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखकर शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद तैयार कर पूजा करते हैं।

खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है।

युवक की हत्या करने वाला मुठभेड़ में गिरफ्तार

नोएडा,संवाददाता। थाना फेस–1 पुलिस की हत्या के आरोपी आफताब उर्फ तुस्सी से बुधवार को मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आफताब के पैर में गोली लगी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। एडिशनल डीसीपी अभय मिश्रा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि आफताब सेक्टर–3 के पार्क में मौजूद है और वहां से भागने की कोशिश कर रहा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पार्क के बाहर उसकी मोटरसाइकिल मिली। पुलिस के मुताबिक, टीम को देखकर आफताब और उसके साथी भागने लगे। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस पर गोली चला दी।

युवक का शव गांव पहुंचने पर फैला ग्रामीणों में आक्रोश

□शव को पुलिस चौकी पर रख कर किया प्रदर्शन, आरोपितों को किया एनकाउंटर की मांग

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

भाटपार रानी, देवरिया। खामपार थाना क्षेत्र अंतर्गत मायापुर में दीपावली की रात हुई मारपीट में घायल युवक की लखनऊ में मौत के बाद मंगलवार को क्षेत्र में आक्रोश भड़क उठा। वहीं पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचने पर परिजन व ग्रामीणों ने दोषियों के एनकाउंटर की मांग करते हुए शव को भिंगारी पुलिस चौकी पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। लगभग एक घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद क्षेत्राधिकारी भाटपार रानी मनोज कुमार के आश्वासन पर परिजन शव लेकर घर पहुंचे। घर पहुंचने के बाद भी ग्रामीण जिलाधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गए।



सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधिकारियों ने परिजन और ग्रामीणों को आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्यवाही का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन दाह संस्कार के लिए राजी हुए। इस दौरान काफी देर तक गांव में तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

बता दें कि खामपार थाना क्षेत्र के करौदा मायापुर निवासी राजू ठाकुर (28) को रविवार की रात दवा करने के बहाने बुलाकर देशी शराब और बीयर की दुकान के पास मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। इलाज के दौरान सोमवार को लखनऊ के केजीएमयू में उनकी मौत हो गई थी। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पांच नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।सीओ मनोज कुमार ने बताया कि कुछ लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

सड़क हादसे में युवक की मौत से पसरा मातम



संवाददाता

आनन्दनगर, महराजगंज। गोरखपुर–सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई।

वहीं बताया जाता है कि फरेंदा थाना क्षेत्र के फरेंदा बुजुर्ग टोला महुअवां निवासी शशिकांत पांडेय उर्फ बमभोले 30 वर्ष किसी कार्य से विधायक चौराहे पर गये थे, इसी दौरान अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गए। सूचना पाकर पहुंचे परिजन ने इलाज के लिए सीएचसी, बनकटी में भर्ती कराया। वहां हालत गंभीर देख परिजन जिला अस्पताल और फिर मेडिकल कॉलेज गोरखपुर भर्ती कराया गया। वहां उपचार के दौरान सोमवार की शाम शशिकांत पाण्डेय उर्फ बमभोले की मौत हो गई। फरेंदा प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने कहा कि मामला शव का पीएम कराया गया है और आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शादी का झांसा देकर युवती का किया अपहरण, केस दर्ज

संवाददाता

प्रतापगढ़। शादी का झांसा देकर युवती के अपहरण की घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बता दें लालगंज कोतवाली के एक गांव की पीड़िता का कहना है कि नौ नवम्बर की रात उसकी तेईस वर्षीया पुत्री को शादी का झांसा देकर रानीगंज कैथौला निवासी अर्पित जायसवाल पुत्र सीताराम जायसवाल कहीं भगा ले गया। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद आरोपी अर्पित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पेडेंसी कम करने के लिए इवनिंग कोर्ट का पायलट प्रोजेक्ट लाएगी सरकार : केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश में अदालतों में लंबित मामलों को कम करने के लिए सरकार इवनिंग कोर्ट का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रही है। इसके साथ ही सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की सेवाएं लेने और एआई के प्रयोग पर भी काम चल रहा है।

केंद्रीय राज्य मंत्री श्री मेघवाल बुधवार को बरपार में पूर्व सांसद लेज स्व. प्रकाश मणि त्रिपाठी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उपरांत शहर के रामनाथ देवरिया स्थित वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज मणि के आवास पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे।

कहा कि उच्चतम न्यायालय में 96 हजार से अधिक मामले लंबित हैं। देश के 25 उच्च न्यायालयों में करीब 70 लाख से अधिक मामले लंबित हैं। जिला अदालतों, सीजेएम और जूनियर जज की अदालतों में करीब चार करोड़ तीस लाख के आसपास मामले लंबित हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि पेंडेंसी है। श्री मेघवाल ने कहा कि पहली बार सरकार ने विश्लेषण शुरू किया है कि कौन सा मामला कितने समय से लंबित है। जो मामला 40 साल से, 30 साल से लंबित है, उस पर जल्दी सुनवाई हो। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे मामले हैं, जिनमें गवाह भी नहीं रहा, लेकिन मामले चल रहे हैं। चेक बाउंस के भी काफी मामले लंबित हैं। कहा कि नवाचार के तहत कोर्ट के समय के बाद इवनिंग कोर्ट लगाने का पायलट प्रोजेक्ट देश में लाया जा रहा है। इवनिंग में भी तीन–चार घंटे कोर्ट लगेगी। उन्होंने कहा कि कुछ वकीलों का प्रतिरोध है कि इवनिंग में ही वे तैयारी करते हैं, लेकिन नए वकील तैयार हो रहे हैं। वे इवनिंग कोर्ट में आ सकते हैं।

श्री मेघवाल ने कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को लगाने का प्रावधान संविधान में ही है। उस दिशा में भी काम हो रहा है। तकनीक का प्रयोग करके इस पेंडेंसी को जल्द कम किया जा सकता है, यही सरकार का प्रयास है। एआई के प्रयोग को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि एआई का प्रयोग भी इस दिशा में किया जाएगा।

इस दौरान विधि विभाग के सचिव राजीव मणि त्रिपाठी, विनायक मणि, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव कांत मिश्र, पूर्व अध्यक्ष मनोज मिश्र, त्रिपुरेश चन्द्र शर्मा आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

दीपावली पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल, परिवार संग लिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री ने आत्मीयता से जाना कुशलक्षेम, दीपावली की शुभकामनाओं के साथ परिवार को दिया स्नेहाशीष।

संवाददाता

कुशीनगर। दीपावली के पावन पर्व पर नगर पालिका परिषद पडरौना के अध्यक्ष विनय जायसवाल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आत्मीयता एवं स्नेह के साथ सभी का कुशलक्षेम जाना और पूरे परिवार को दीपावली की शुभकामनाएं दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री और जायसवाल परिवार के बीच पारिवारिक आत्मीयता एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला।



इस मौके पर पालिकाध्यक्ष विनय जायसवाल ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव, एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपने रिश्तों में मिठास घोलने और समाज में सकारात्मकता एवं सौहार्द का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि दीपावली जैसे पावन अवसर पर मुख्यमंत्री जी का सानिध्य और आशीर्वाद प्राप्त होना उनके तथा उनके परिवार के लिए अत्यंत सुखद एवं अविस्मरणीय क्षण है। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान नपाध्यक्ष के सुपुत्र सूर्यांश कान्हा जायसवाल, भतीजे रोहित जायसवाल, आरुष जायसवाल एवं आरोही जायसवाल भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री से हुई इस आत्मीय मुलाकात को जायसवाल परिवार ने दीपावली के विशेष एवं यादगार पलों के रूप में संजोया।

महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस ने चलाया व्यापक अभियान, गांवों से बाजारों तक पहुंचीं मिशन शक्ति की टीमें

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

कुशीनगर। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर कुशीनगर पुलिस पूरी सक्रियता के साथ मिशन शक्ति अभियान 6.0 को धरातल पर उतार रही है। बताते चलें पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में बुधवार को जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत पुलिस की मिशन शक्ति टीमें गांवों, कस्बों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और शिक्षण संस्थानों तक पहुंचीं और महिलाओं, बालिकाओंतथा आमजन को महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, महिला अपराधों की रोकथाम, उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाने, आत्मरक्षा के उपायों तथा शासन की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सुरक्षा सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। पुलिसकर्मियों ने विशेष रूप से बालिकाओं और छात्राओं को किसी भी प्रकार की असहज स्थिति, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा अथवा साइबर अपराध की स्थिति में चुप न रहने और तत्काल पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। वहीं आपात स्थिति में इन हेल्पलाइन नंबरों को रखें याद

जागरूकता कार्यक्रमों में महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन पुलिस सेवा 112, एम्बुलेंस सेवा 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 की उपयोगिता बताई गई। साथ ही साइबर अपराध की शिकायत के लिए साईबर क्राइम पोर्टल की जानकारी देकर ऑनलाइन ठगी एवं डिजिटल अपराधों से सतर्क रहने की अपील की गई।

मिशन शक्ति टीमों ने पम्पलेट वितरित कर लोगों को महिला सुरक्षा से संबंधित सरकारी योजनाओं सहायता सेवाओं और शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया।

वनकर्मियों पर हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

आनन्दनगर, महराजगंज। सरकारी कार्य में बाधा डालने और वनकर्मियों पर हमले के मामले में फरेंदा पुलिस ने एक



वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। वहीं फरेंदा प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले महीने में वन कर्मियों पर हमला करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया हैं। अभियुक्त की पहचान रोहित उर्फ काशी (19) पुत्र अशोक निवासी मथुरानगर टोला भारी वैसी, थाना फरेंदा के रूप में हुई है। यह कार्यवाही फरेंदा क्षेत्राधिकारी दीपशिखा वर्मा के नेतृत्व में किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 223ध्2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 132, 221, 121(1) और 121(2) में वांछित था। गिरफ्तारी के बाद उसके विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही शुरू कर दी गई। वही गिरफ्तारी करने वाली टीम उप निरीक्षक मनीष कुमार, महिला कांस्टेबल पूजा तिवारी और कांस्टेबल अरविन्द यादव शामिल रहें।

बंद घर से जेवरात व कीमती सामान चोरी, केस दर्ज

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, प्रतापगढ़। बंद घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर घर में रखे जेवरात व अन्य सामान चुरा के गए। घटना को लेकर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बताते चलें उदयपुर थाना क्षेत्र की पूरे बदलू गांव निवासी फूल चंद्र यादव पुत्र बद्री प्रसाद यादव के अनुसार वह महमूदपुर मुस्तफाबाद स्थित अपने जीजा मथुरा प्रसाद के मकान की देखरेख करता है। पीड़ित दीपावली पर अपने गांव चला आया था। आरोप है कि पीड़ित नौ नवंबर को वापस अपने जीजा के मकान पर पहुंचा तो घर का ताला टूटा था। घर के अंदर रखे चांदी के जेवरात, बर्तन व इनवर्टर, बैटरी, टीवी आदि सामान गायब थे। पीड़ित ने घटना को लेकर अज्ञात चोरों के खिलाफ उदयपुर पुलिस को तहरीर दिया।

पवन कल्याण की तीसरी शादी टूटने के बीच एक्स वाईफ रेणु देसाई ने किया पोस्ट



आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और तेलुगु अभिनेता पवन कल्याण की पूर्व पत्नी, अभिनेत्री रेणु देसाई ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक रहस्यमयी पोस्ट साझा की। उन्होंने लोगों से दयालु होने की अपील करते हुए कहा कि जो लोग पहले से ही मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, उन्हें अपशब्द कहना नैतिक रूप से सही नहीं है। अपने इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट करते हुए रेणु देसाई ने लिखा, जब कोई व्यक्ति मुश्किल समय से गुजर रहा हो, तो उसे और अधिक कोसना या अपशब्द कहना नैतिक रूप से सही नहीं है। जो पहले से ही गिरे हुए हैं, उन्हें और कुचलना अमानवीय है !

उन्होंने आगे कहा, वे चाहे किसी भी स्थिति में हों, यह नहीं भूलना चाहिए कि वे भी इंसान हैं—किसी की संतान, किसी के माता—पिता या किसी के भाई—बहन हैं। उन्होंने आगे लिखा, ज्जब हम खुद कांच के घरों में रहते हैं (जो पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं), तो दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए! लोगों से दयालु और संवेदनशील बनने की अपील करते हुए उन्होंने लिखा, हम सभी इंसान हैं, और इंसान कहलाने के लिए दया और संवेदना सबसे बुनियादी जरूरतें हैं! (सिर्फ इसलिए कि मैंने ये शब्द लिखे हैं, आप लोग बेतुके कयास लगाना शुरू न कर दें, क्योंकि मेरा सच में मानना है कि एक समाज के रूप में हम बेहतर कर सकते हैं)। और नहीं, मुझे दयालु और समझदार बनने के लिए कोई पैसे नहीं मिले हैं। यह बस चीजों को देखने का मेरा अपना नजरिया है, जो मेरे सही ढंग से काम कर रहे दिमाग (प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स) से आता है

सोशल मीडिया पर इस पोस्ट ने काफी हलचल मचा दी है, क्योंकि यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और तेलुगु अभिनेता पवन कल्याण और उनकी तीसरी पत्नी अन्ना कोनिडेला ने अलग होने का फैसला किया है। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि पवन कल्याण ने सितंबर 2013 में हैदराबाद के एक सब—रजिस्ट्रार ऑफिस में स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत रूसी नागरिक अन्ना लेझनेवा से शादी की थी। इस जोड़े के दो बच्चे हैं — पोलेना अंजना पवनोवा और मार्क शंकर पवनोविच। अपने शुभचिंतकों और करीबियों के नाम एक संयुक्त बयान में इस जोड़े ने कहा, अपनी जिंदगी का एक लंबा हिस्सा साथ बिताने के बाद, हमने आपसी समझ और सम्मान के साथ अलग होने का फैसला किया है।ष उन्होंने आगे कहा, भले ही हमारी शादी खत्म हो गई है, लेकिन हम अच्छे दोस्त बने रहेंगे और अपने प्यारे बच्चों के लिए समर्पित माता—पिता की भूमिका निभाते रहेंगे। बच्चों की खुशी और भलाई हमेशा हमारी साझा प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने अपने संक्षिप्त बयान के अंत में कहा, ष्जीवन के इस बदलाव के दौर में हम आपसे समझदारी, दया और हमारी प्राइवेसी (निजता) का सम्मान करने की उम्मीद करते हैं। इस सफर में जो लोग हमारे साथ खड़े रहे, हम उन सभी का दिल से आभार व्यक्त करते हैं। अलग होने के फैसले की घोषणा के तुरंत बाद, अन्ना कोनिडेला ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया। यह खबर स्टार के फैंस और इंडस्ट्री में उनके शुभचिंतकों के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि यह जोड़ा एक—दूसरे के काफी करीब माना जाता था।

दूसरी प्रेग्नेंसी के बीच कियारा आडवाणी ने बेबी बंप पर हाथ रखते हुए दिया बड़ा इशारा



अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने कॉफी विद करण के आने वाले एपिसोड में अपने पति और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपनी डेट नाइट्स के बारे में मजाक करते हुए यह इशारा किया कि वह अब और प्रेगनेंसी नहीं चाहतीं। कियारा और सिद्धार्थ कॉफी विद करण सीजन 9 में पहली बार एक साथ टीवी पर नजर आने वाले हैं। मेकर्स द्वारा जारी किए गए इस एपिसोड के नए प्रोमो में, होस्ट करण जौहर के साथ इस कपल की मजेदार केमिस्ट्री की झलक देखने को मिलती है। बातचीत के दौरान, करण ने इस कपल से पूछा कि वे कैसे पक्का करते हैं कि उनकी डेट नाइट्स सिर्फ डेजर्ट (मीठे) पर ही खत्म न हो जाएं। अपना बेबी बंप सहलाते हुए कियारा ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, अब बस हो गया, जिसे सुनकर सिद्धार्थ और करण जोर से हंस पड़े। इसके बाद बातचीत इस तरफ मुड़ी कि क्या यह कपल किसी खास किरदार का रोलप्ले करना चाहेगा। सिद्धार्थ ने अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बीच एक लकीर खींचते हुए कहा, हम अपने काम को घर पर नहीं लाना चाहते, और बेडरूम में तो बिल्कुल भी नहीं ! प्रोमो में यह कपल अपनी शादी के बारे में भी बात करता नजर आता है। साथ ही, वे उस मजेदार पल को याद करते हैं जब एक डांस परफॉरमेंस के दौरान शाहिद कपूर मंच पर आने की कोशिश करते हैं, तो करण उन्हें मजाक में मंच से हटा देते हैं। शो में एंट्री करते समय, कियारा पहली बार नेशनल टेलीविजन पर अपना बेबी बंप दिखाती नजर आईं।

बोर होना समय की बर्बादी नहीं है, दिन भर फ्री बैठने के हैं बहुत से फायदे



जब आप अकेले बैठे होते हैं, खाली होते हैं और बोर हो रहे होते हैं, तो आपको तुरंत कुछ न कुछ करने की बेचैनी महसूस हो सकती है जैसे सोशल मीडिया स्क्रॉल करना या घर के काम करना। हर समय किसी न किसी काम में व्यस्त रहना आसान लगता है, जबकि कुछ न करना और बोर होना मुश्किल लगने लगता है। लेकिन आपके दिमाग को भी आराम की जरूरत होती है, जिस पर लोग ज्यादा ध्यान नहीं देते।

ब्रेन को ब्रेक देने की जरूरत क्यों होती है?

विशेषज्ञ ने समझाया कि आपको अपने दिमाग को लगातार मिल रहे स्टिमुलेशन (उत्तेजना) से ब्रेक देने की जरूरत क्यों है, और बोर होना क्यों ठीक है। क्योंकि दिमाग को वास्तव में धीमा होने के लिए समय की जरूरत होती है। खुद को लगातार मनोरंजन में या किसी काम में व्यस्त रखने की आपकी आदत, शायद आपके दिमाग को वह जरूरी डाउनटाइम (आराम का समय) नहीं लेने दे रही है। हालांकि डिवाइस (उपकरणों) पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा देना ही इसका एकमात्र समाधान नहीं है। यह दिमाग के लिए बहुत थका देने वाला होता है। ईमेल का जवाब देने, व्हाटसएप चेक करने और सोशल मीडिया रील्स देखने के बीच बार—बार स्विच करने से दिमाग को अपना ध्यान लगातार बदलना पड़ता है। इससे सोचने—समझने के लिए बहुत कम जगह बचती है।

ऊब और मानसिक थकान में होता है अंतर

न्यूरोलॉजिस्ट ने बताया, जब हम किसी बाहरी काम पर ध्यान देना बंद कर देते हैं, तो हमारा दिमाग पूरी तरह से बंद नहीं होता। इस दौरान डिफॉल्ट मोड नेटवर्क (कमनिसज उवकम दमजूवता) नाम का एक सिस्टम सक्रिय हो जाता है, जो यादों, आत्म—चिंतन और भविष्य के बारे में सोचने से जुड़ा होता है। इस तरह जब हम अपना ध्यान अंदर की ओर लगाते हैं, तो हमारा दिमाग अपने अनुभवों को प्रोसेस कर पाता है और उनके बीच संबंध बना पाता है। ऊब और मानसिक थकान को एक—दूसरे से नहीं मिलाना चाहिए, न्यूरोलॉजिस्ट ने इस बात पर जोर दिया कि इन दोनों के बीच का अंतर समझना जरूरी है। ऊब तब होती है जब हम किसी काम में पूरी तरह से नहीं लगे होते या हमें कोई गतिविधि दिलचस्प नहीं लगती। वहीं, मानसिक थकान तब महसूस होती है जब लंबे समय तक ध्यान लगाने, एक साथ कई काम करने (मल्टीटास्किंग), या बार—बार काम में रुकावट आने की वजह से हमारा दिमाग पूरी तरह थक जाता है।

खुद को इस तरह रखें खाली

बदलाव लाने के लिए आपको अपना स्मार्टफोन छोड़ने या कोई मुश्किल डिजिटल डिटॉक्स करने की जरूरत नहीं है। न्यूरोलॉजिस्ट ने इन बदलावों से शुरुआत करने की सलाह दी है जैसेरू तुरंत अपना फोन न उठाएं, अगली बार जब आप किसी लाइन में इंतजार कर रहे हों या अकेले बैठे हों, तो नोटिफिकेशन चेक करने की अपनी इच्छा को रोकें। कंप्यूटर स्क्रीन से सीधे अपने फोन पर जाने के बजाय, अपने लैपटॉप से थोड़ा दूर हट जाएं। कभी—कभी, बिना किसी संगीत, पॉडकास्ट या शोर—शराबे के अपने दिमाग को आजाद छोड़ दें। खाना खाते समय फोन स्क्रॉल न करें और बातचीत करते समय अपना पूरा ध्यान उसी पर लगाएं। रात में लगातार फोन स्क्रॉल करने से बचें और खुद को रिलैक्स होने के लिए समय दें। इसलिए, अगली बार जब आप सिर्फ इसलिए अपना फोन उठाएं क्योंकि आपके पास करने के लिए कुछ नहीं है, तो कुछ मिनटों के लिए ऐसा करने से खुद को रोकें। हो सकता है कि आपको पता चले कि कुछ न करना असल में समय की बर्बादी नहीं है।

वेट्टुवम' के एक्शन सीन्स के लिए कलाकारों ने बहाया पसीना, पा. रंजीत ने शेयर किया मेकिंग वीडियो

साउथ सिनेमा के चर्चित फिल्ममेकर पा. रंजीत अपनी अगली फिल्म 'वेट्टुवम' के साथ बड़े पर्दे पर एक अलग दुनिया रचने की तैयारी में हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाने के लिए उन्होंने इसका नया बिहाइंड द सीन्स वीडियो जारी किया है। 'सेलिब्रेट रेजिलिएंस' नाम के इस वीडियो में फिल्म के निर्माण के दौरान हुई तैयारियों, कलाकारों की ट्रेनिंग और चुनौतीपूर्ण एक्शन दृश्यों की झलक दिखाई गई है। वीडियो से साफ है कि फिल्म के हर एक्शन सीन को तैयार करने में पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। 'वेट्टुवम' की कहानी ऐसी दुनिया में आगे बढ़ती है, जहां हालात किसी बड़े विनाश के बाद जैसे नजर आते हैं। यहां सत्ता हासिल करने की होड़, गुटों के बीच दुश्मनी और लगातार होने वाले टकराव कहानी का अहम हिस्सा हैं। फिल्म में आदिमुरई और मल्लखंब जैसी पारंपरिक मार्शल आर्ट्स को भी शामिल किया गया है। इन कलाओं को पर्दे पर विश्वसनीय तरीके से दिखाने के लिए कलाकारों ने विशेष ट्रेनिंग ली है। मेकर्स का फोकस एक्शन को वास्तविक और प्रभावशाली बनाए रखने पर रहा है। जारी किए गए वीडियो में एक्शन सीक्वेंस की तैयारी से लेकर उनकी शूटिंग तक के कई पल शामिल हैं। फिल्म के स्टंट और एक्शन दृश्यों की जिम्मेदारी दिलीप सुब्बारायन ने संभाली है।



कलाकारों को मुश्किल एक्शन के लिए तैयार करने और हर मूवमेंट को बारीकी से फिल्माने में टीम ने खास मेहनत की है। बीटीएस वीडियो इसी प्रक्रिया को सामने लाता है और दिखाता है कि फिल्म की भव्यता के पीछे कलाकारों के साथ तकनीकी टीम का भी बड़ा योगदान है। पा. रंजीत ने 'वेट्टुवम' की कहानी लिखने के साथ इसका निर्देशन भी किया है। फिल्म में वीआर दिनेश, आर्या, शबीर कल्लारक्कल, शोभिता धुलिपाला और कलैयारासन अहम भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा माइम गोपी, गुरु सोमसुंदरम, जॉन विजय, साई धीना और हरीश उत्तमन भी फिल्म का हिस्सा हैं। अलग—अलग किरदारों के जरिए फिल्म की संघर्ष भरी दुनिया को पर्दे पर पेश किया जाएगा। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी जी. वी. प्रकाश कुमार ने संभाली है। वहीं, रूपेश शाजी सिनेमैटोग्राफी, सेल्वा आर.के एडिटिंग और एस.एस. मूर्ति प्रोडक्शन डिजाइन से जुड़े हैं। फिल्म को लर्न एंड टीच प्रोडक्शन और नीलम प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया जा रहा है। इसके निर्माता एस. साई देवानंद, एस. साई वेंकटेश्वरन और पा. रंजीत हैं। कबाली, 'काला', 'सरपट्टा परंबरई' और थंगालान जैसी फिल्मोंके लिए पहचाने जाने वाले पा. रंजीत अब 'वेट्टुवम' के जरिए एक्शन ड्रामा लेकर आ रहे हैं। फिल्म पोंगल 2027 के मौके पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। इसे तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा।

गुलशन कुमार की हत्या के बाद बदल गई पूरी म्यूजिक इंडस्ट्री : सोनू

मशहूर प्लेबैक सिंगर कुमार सानू, जिन्होंने हाल ही में सुनियो जरा गाने को अपनी आवाज दी है, ने कहा है कि म्यूजिक मुगल गुलशन कुमार की हत्या का म्यूजिक इंडस्ट्री पर बहुत बुरा असर पड़ा। इस अनुभवी गायक ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में स्थित अपने घर पर, गाने के प्रमोशन के दौरान एएनआई से बातचीत की। ब उनसे पूछा गया कि गुलशन कुमार की हत्या के बाद म्यूजिक इंडस्ट्री में क्या बदलाव आए, तो उन्होंने कहा, हालात बहुत खराब हो गए थे। जब तक वे हमारे बीच थे, वह हिंदी फिल्म संगीत का स्वर्ण युगश था। वे सिर्फ एक संगीत प्रेमी या बिजनेसमैन ही नहीं थे, बल्कि उससे कहीं बढ़कर थे। उनके पास इतनी स्पष्ट सोच थी कि वे पहले ही भांप लेते थे कि कौन सा संगीत हिट होगा। दूसरी बात, उन्हें पता था कि संगीत को आम लोगों तक कैसे पहुंचाना है और दुनिया भर में कैसे फैलाना है। यह हुनर उनसे बेहतर किसी और के पास नहीं था। आज भी किसी के पास ऐसा हुनर छ्नहीं है। मैं बस यूं ही नहीं कह रहा कि वे मेरे गॉडफादर थे, वे सच में मेरे गॉडफादर थे। लेकिन अगर आप देखें, तो गुलशन जी के निधन के बाद पूरी इंडस्ट्री ही बदल गई। उन्होंने आगे बताया, कई ऐसी फिल्में थीं जिनका संगीत बिकता था और गुलशन जी उसे खरीद लिया करते थे। इसलिए, उस समय उनका जाना हमारे लिए बहुत दुखद था। और मुझे लगता है कि उसी वजह से सब कुछ धीरे—धीरे बिखर गया। नदीम—श्रवण की जोड़ी भी अलग हो गई।

बच्चे की आखों से बहुत ज्यादा पानी आना खतरे की निशानी, प्रदूषण से इस तरह बचाएं अपने मासूम को

दिवाली के पटाखों से निकलने वाले धुएं के कारण शहरों में प्रदूषण का असर फेफड़ों तक ही सीमित नहीं रहता। आंखें जो लगातार वातावरण के संपर्क में रहती हैं, हवा में मौजूद प्रदूषकों के सबसे पहले संपर्क में आने वाले अंगों में से हैं।

महीन कण, रासायनिक अवशेष और धुआं आंखों की सुरक्षात्मक आंसू परत को नुकसान पहुंचा सकते हैं, आंखों की सतह में जलन पैदा कर सकते हैं और आंखों में सूखापन और एलर्जी कंजंक्टिवाइटिस जैसी समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। जिन लोगों को पहले से ही आंखों में एलर्जी या सूखापन की समस्या है, उनके लिए लंबे समय तक प्रदूषण के संपर्क में रहने से लक्षण और भी असहज हो सकते हैं।

बच्चों की आंखों के लिए प्रदूषण बेहद खतरनाक

एक नए अध्ययन से पता चला है कि वायु प्रदूषण बच्चों की आंखों की रोशनी को नुकसान पहुंचा सकता है, जबकि साफ हवा उनकी दृष्टि की रक्षा करने और यहां तक कि उसे बेहतर बनाने में भी मदद कर सकती है — खासकर छोटे बच्चों के मामले में। शोधकर्ताओं ने पाया है कि वायु प्रदूषकों—विशेष रूप से नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ2) और सूक्ष्म कणों (पीएम2.5)—के संपर्क में आने का सीधा संबंध इस बात से है कि बच्चे बिना चश्मे के कितनी अच्छी तरह देख सकते हैं। बच्चों में यह समस्या आम होती जा रही है। हालांकि बच्चों में मायोपिया होने में आनुवंशिकी (जेनेटिक्स) और जीवनशैली से जुड़े कारक—जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर बिताया गया समय (स्क्रीन टाइम)—एक बड़ी भूमिका निभाते हैं, लेकिन वायु प्रदूषण जैसे पर्यावरणीय कारक भी मायने रखते हैं।

आंखों में पानी आना खतरे की निशानी

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि प्रदूषकों और कणिकाओं के संपर्क में आने से बच्चों की आंखों की सतह में जलन हो सकती है, जिससे लालिमा, खुजली, जलन, अत्यधिक आंसू आना और सूखापन हो सकता है। बाल नेत्र विज्ञान की वरिष्ठ सलाहकार ने समझाया कि आंख की सतह एक नाजुक आंसू की परत से सुरक्षित रहती है जो चिकनाई प्रदान करती है, स्पष्ट दृष्टि बनाए रखती है और पर्यावरणीय जलन पैदा करने वाले तत्वों से बचाव में मदद करती है। वायु में मौजूद प्रदूषक इस सुरक्षात्मक परत को नुकसान पहुंचा सकते हैं और आंखों की सतह पर जलन और सूजन पैदा कर सकते हैं। अत्यधिक पानी आना यह जरूरी नहीं दर्शाता कि आंखों में पर्याप्त नमी है। जलन के कारण आंसू की परत के अस्थिर होने पर भी स्वतःस्फूर्त रूप से आंसू आ सकते हैं। परिणामस्वरूप, बच्चों की आँखों से पानी आ सकता है, या उन्हें आंखों में सूखापन और बेचैनी महसूस हो सकती है।



माता—पिता बच्चों की आंखों को प्रदूषण से कैसे बचाएं?

बच्चों का प्रदूषण से संपर्क कम करना बहुत जरूरी है, खासकर उन दिनों में जब हवा की गुणवत्ता खराब हो। जब प्रदूषण का स्तर अधिक हो, तो बच्चों को घर के बाहर की गतिविधियों से दूर रखें, प्रदूषण बहुत ज़्यादा होने पर खिड़कियां बंद रखें। बच्चों को अपनी आंखें न रगड़ने के लिए कहें, ध्यान रखें कि घर के अंदर आने के बाद बच्चे अपना चेहरा जरूर धोएं। हो सकता है कि बच्चों के पास आंखों की परेशानी को बताने के लिए सही शब्द न हों। माता—पिता और शिक्षकों को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि क्या बच्चा बार—बार अपनी आंखें रगड़ रहा है, बहुत ज़्यादा पलकें झपका रहा है, आंखें सिकोड़कर देख रहा है, आंखों से पानी आ रहा है, या फिर पढ़ने और बाहर खेलने—कूदने जैसी गतिविधियों में हिस्सा लेने से कतरा रहा है।

माता—पिता को बच्चों की आंखों की जलन को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, खासकर तब जब प्रदूषण का स्तर ज़्यादा हो।

हरियाणा कांग्रेस का वोट बचाओ,देश बचाओ' चौपाल अभियान आज से

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस 12 नवंबर गुरुवार से 24 नवंबर, तक पूरे हरियाणा में गहन एवं व्यापक ''वोट बचाओ दृ देश बचाओ' चौपाल अभियान शुरू करेगी। हरियाणा के अखिल भारतीय कांग्रेस की ओर से प्रभारी संजय दत्त तथा हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह दो सप्ताह तक प्रदेश के व्यापक दौरे पर रहेंगे और विभिन्न जिलों में आयोजित चौपालों में भाग लेकर सीधे जनता से संवाद करेंगे। इन चौपालों के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाओं और चुनावी निष्पक्षता की रक्षा के लिए जनमत तैयार किया जाएगा तथा आम जनता को इस मुहिम से जोड़ा जाएगा।

हरियाणा में इस अभियान का विशेष महत्व है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने 2024 के विधानसभा चुनावों की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का स्पष्ट आरोप है कि विधानसभा चुनाव में पार्टी के पक्ष में आए जनादेश को सुनियोजित चुनावी हेराफेरी और वोट चोरी की साजिश के माध्यम से पलट दिया गया तथा इसका राजनीतिक लाभ भाजपा को पहुंचाया गया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा बाद में संदिग्ध मतदाता प्रविष्टियों, डुप्लीकेट वोटर्स, संदेहास्पद पतों तथा मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर मिली अनियमितताओं से संबंधित तथ्यों और खुलासों ने चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता पर उठ रहे सवालों को और गंभीर बना दिया है।

कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। पार्टी का आरोप है कि उनके नेतृत्व में चुनाव आयोग चुनाव संबंधी मामलों में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में विफल रहा है। आयोग की कार्यप्रणाली तथा भाजपा के राजनीतिक हितों के प्रति उसकी कथित निकटता को लेकर भी गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं।

'वोट बचाओ दृ देश बचाओ' चौपाल अभियान महज जनसभाओं की एक श्रृंखला नहीं होगा, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई को सीधे जनता के बीच ले जाने का एक व्यापक जनआंदोलन होगा। इन चौपालों के माध्यम से कांग्रेस कथित चुनावी अनियमितताओं को जनता के सामने उजागर करेगी, मतदाता सूचियों में हेराफेरी के खतरों के प्रति नागरिकों को जागरूक करेगी तथा प्रत्येक नागरिक के मौलिक लोकतांत्रिक मतदान अधिकार की रक्षा के लिए प्रदेशव्यापी जनजागरण अभियान खड़ा करेगी।

कांग्रेस पार्टी की प्रमुख मांगें होंगी कि मनमाने और संदेहास्पद तरीके से चलाए जा रहे प्र (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान पर तत्काल रोक लगाई जाए, 'वोट चोरी' के आरोपों की स्वतंत्र एवं पारदर्शी जांच कराई जाए, मतदाता सूचियों से गलत तरीके से हटाए गए सभी पात्र मतदाताओं के नाम तत्काल बहाल किए जाएं तथा इस पूरी प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जाए। कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उनके खिलाफ आपराधिक जांच की मांग को भी दोहराएगी।

इस अभियान का उद्देश्य पूरी तरह स्पष्ट है रू हर वोट सुरक्षित हो, हर मतदाता का सम्मान हो और चुनाव आयोग राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होकर स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से कार्य करे।

इस प्रदेशव्यापी अभियान में हरियाणा कांग्रेस का समूचा वरिष्ठ नेतृत्व सक्रिय रूप से भाग लेगा। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, अखिल भारतीय कांग्रेस महासचिव कुमारी शैलजा एवं रणदीप सिंह सुरजेवाला, कांग्रेस कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा तथा हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष चौधरी बीरेंद्र सिंह, धर्मपाल मलिक, अशोक तंवर एवं उदयभान इन चौपालों में सक्रिय भागीदारी करेंगे।

इसके अतिरिक्त, कांग्रेस पार्टी के सांसद, विधायक, जिला कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद एवं विधायक, विभिन्न अग्रिम संगठनों, प्रकोष्ठों एवं विभागों के अध्यक्ष और पदाधिकारी तथा प्रदेशभर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी इस प्रदेशव्यापी अभियान में शामिल होंगे।इस अभियान के माध्यम से 'वोट बचाओ दृ देश बचाओ' का संदेश हरियाणा के प्रत्येक जिले, ब्लॉक, गांव और घर तक पहुंचाया जाएगा। लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के इस संघर्ष में समाज के सभी वर्गों के लोगों को एकजुट किया जाएगा।

बाटा इंडिया नए उत्पादों के दम पर वृद्धि को देगी गति, 2030 तक कारोबार दोगुना करने का लक्ष्य

एजेंसी,नयी दिल्ली । जूते–चप्पल बनाने वाली प्रमुख कंपनी बाटा इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजय राव ने कहा कि कंपनी स्टोर में जल्द से जल्द नए वैश्विक उत्पाद पेश करेगी। कंपनी का ध्यान स्नीकर्स और युवाओं की पसंद के अनुरूप उत्पादों की श्रृंखला पर रहेगा। कंपनी 2030 तक भारत में अपना कारोबार दोगुना करने की दिशा में काम कर रही है। पदमार संगालने के बाद पहली बार कंपनी के वित्तीय नतीजों पर आयोजित चर्चा में राव ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य कारोबार दोगुना करना है। रीइग्नाइट इंडिया 2030 रणनीति के तहत अगले चार वर्षों में इसके लिए वार्षिक वृद्धि दर एकल अंक से दोहरे अंक के स्तर पर रखनी होगी।

राव ने कहा, भारत में हमारा लक्ष्य 2030 तक कारोबार दोगुना करना है।

इसके लिए हम साल–दर–साल की विस्तृत



योजना बना रहे हैं। हालांकि, लक्ष्य कारोबार दोगुना करने का ही है। इसका स्पष्ट मतलब है कि अगले चार वर्षों में हम सालाना चक्रवृद्धि वृद्धि दर के लिहाज से मध्य एकल अंक से दोहरे अंक तक की वृद्धि दर हासिल करना चाहते हैं। वित्त वर्ष 2025–26 में बाटा इंडिया का राजस्व 3,515.48 करोड़ रुपए रहा था। उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य 2030 तक अपना लाभ दोगुने से अधिक करना भी है। इसके साथ ही विभिन्न कारोबारी पहलों के जरिये वृद्धि की रफ्तार में सुधार करना है। एक सवाल के जवाब में कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अमित अग्रवाल ने कहा, श्ऐतिहासिक रूप से हमारी वार्षिक वृद्धि दर कम रही है। हालांकि, वृद्धि की गति बनी हुई है और हम पिछली तिमाही के मुकाबले आंकड़ों में सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाटा इंडिया ने जुलाई–सितंबर तिमाही में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और पिछले तीन तिमाहियों से कंपनी की वृद्धि जारी है।

इंग्लैंड के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में होगी इंडिया ए की परीक्षा

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की महिला सेलेक्शन टीम ने इंग्लैंड ए के खिलाफ घर में होने वाले तीनों फॉर्मेट की सीरीज के लिए इंडिया ए के स्क्वाड का एलान कर दिया है। ऑलराउंडर श्रेयांका पाटिल को इंडिया ए की टीम में जगह मिली है।

श्रेयांका को हाल में जिंबाब्वे के खिलाफ सीरीज में नजरअंदाज कर दिया गया था। हालांकि, अब उन्हें इंडिया ए के लिए खेलने का मौका मिला है। भारत को घर पर इंग्लैंड ए के खिलाफ तीन टी20, तीन वनडे और एकमात्र मल्टी–डे मैच खेलना है।

अनुष्का शर्मा को वनडे और टी20 टीम का कप्तान बनाया गया है। वहीं मिन्नू मानी को उपकप्तान चुना गया है। मिन्नू इसी के साथ मल्टी–डे के मुकाबले में टीम की कमान संभालेंगी।

घरेलू सीरीज की शुरुआत टी20 से होगी। टी20 के तीनों



मुकाबले पुणे में खेले जाएंगे। इसके बाद वनडे सीरीज खेली जाएगी, जिसका आयोजन मुंबई में होगा। वहीं एकमात्र मल्टी–डे मुकाबला भी मुंबई में ही खेला जाएगा।

इंग्लैंड महिला श्ए के खिलाफ भारतीय महिला ए टीम

टी20 टीम + अनुष्का शर्मा (कप्तान), मिन्नू मनी (उपकप्तान), वृंदा दिनेश, तनीषा सिंह, सानिका चालके, निकी प्रसाद, जी कामलिनी (विकेटकीपर), शिप्रा गिरी (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), श्रेयंका पाटिल, साइमा ठाकोर, अक्षिता भगत, काशवी गौतम (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटिल, वैष्णवी शर्मा, प्रेमा रावत, साइमा ठाकोर, मोनिका पटेल, काशवी गौतम।

वनडे टीमरू अनुष्का शर्मा (कप्तान), मिन्नू मनी (उपकप्तान), वृंदा दिनेश, तनीषा सिंह, प्रिया पूनिया, निकी प्रसाद, जी कामलिनी (विकेटकीपर), शिप्रा गिरी (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, श्रेयांका पाटिल, अमीषा बहुखंडी, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, अक्षिता भगत, काशवी गौतम। मल्टी डे टीमः मिन्नू मनी (कप्तान), तेजल हसब्निस (उपकप्तान), शुभा सतीश, प्रिया पूनिया, तनीषा सिंह, पूर्वाजा वेर्लेकर, हेनरीटा परेरा, शिप्रा गिरी (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), श्रेयंका पाटिल, साइमा ठाकोर, अक्षिता भगत, अमीषा बहुखंडी, हैप्पी कुमारी, शबनम शकील।

मजबूत वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार की दमदार शुरुआत

एजेंसी,मुंबई । भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत बुधवार को तेजी के साथ हुई। मुख्य सूचकांक सेंसेक्स 1,142.03 अंक या 1.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 82,248.68 और निफ्टी 293. 15 अंक या 1.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,337.80 पर था। लार्जकैप के साथ–साथ मिडकैप और स्मॉलकैप भी बढ़त के साथ खुले। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 403.85 अंक या 0. 66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 61,426.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 133.25 अंक या 0. 69 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,318.30 पर था। सेंसेक्स पैक में सभी 30 शेयर हरे निशान में थे। बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, बीईएल, इंडिगो, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी, एमएंडएम और एक्सिसस बैंक टॉप गेनर्स थे। सूचकांकों में निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी ऑटो, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कंजप्शन,



निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी एनर्जी सबसे अधिक तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजारों में भी तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। टोक्यो, ताइपे, बैंकॉक और सोल हरे निशान में थे। शंघाई, हांगकांग और जकार्ता लाल निशान में थे। हालांकि, अमेरिकी बाजार मंगलवार को लाल निशान में बंद हुए थे, जिसमें मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 0.30 प्रतिशत और टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक 0. 74 प्रतिशत की गिरावट के साथ लाल निशान में था। जानकारों ने कहा कि इस महीने के केवल छह ट्रेडिंग दिनों में निफ्टी में 8. 6 प्रतिशत की तेजी आई है। इस तेजी का मुख्य कारण एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) द्वारा इस महीने अब तक की गई 53,170 करोड़ रुपए की भारी खरीदारी है। बाजार के माहौल में यह बड़ा बदलाव, वैश्विक स्तर पर मिले सकारात्मक संकेतों और एआई ट्रेड के कमजोर पड़ने की वजह से आया है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस तेजी को असली आधार, उम्मीद से बेहतर रहे दूसरी तिमाही के नतीजों से मिला है। दूसरी तिमाही में निफ्टी की कमाई में लगभग 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो पिछले 12 तिमाहियों में सबसे अधिक है। इससे निफ्टी 50 का फॉरवर्ड पीई (प्राइस–टू–अर्निंग रेशियो) भी उचित स्तर पर आ गया है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय बाजार के लिए बने इस नए अनुकूल माहौल को देखते हुए, एफआईआई की खरीदारी जारी रहने की संभावना है। इससे बैंकिंगध्हाइनेंशियल, टेलीकॉम, कैपिटल गुड्स, और चुनिंदा ऑटो व फार्मा कंपनियों के प्रमुख शेयरों को मजबूती मिलेगी।

धनंजय डी सिल्वा और कुसल मेंडिस के शतकों से श्रीलंका का तगड़ा पलटवार

एजेंसी, नई दिल्ली। धनंजय डी सिल्वा और कप्तान कुसल मेंडिस ने बुधवार को पहले टेस्ट के तीसरे दिन पाकिस्तान के खिलाफ शानदार शतक लगाया। दोनों 249 रनों की साझेदारी कर नाबाद लौटे। श्रीलंका ने तीसरे दिन का खेल



खत्म होने तक चार विकेट के नुकसान पर 404 रन बना लिए हैं। श्रीलंका अब पाकिस्तान की पहली पारी के स्कोर से सिर्फ 30 रन पीछे है। पाकिस्तान ने 434 रन पर पारी घोषित की थी। उसे लग रहा था कि श्रीलंका के लिए इस स्कोर तक पहुंचना मुश्किल होगा। मगर सिल्वा और मेंडिस के शतकों ने पाकिस्तान को मुश्किल में डाल दिया है। श्रीलंका ने दूसरे दिन 131ध्3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। कामिंदु मेंडिस इस दौरान 58 रनों की पारी खेलकर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान मेंडिस की मैदान पर एंट्री हुई। मेंडिस और सिल्वा ने मिलकर पूरे दिन पाकिस्तानी गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। सिल्वा ने इस दौरान शानदार शतक पूरा किया। वहीं मेंडिस ने बतौर कप्तान अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा।

दोनों ने पांचवें विकेट के लिए अब तक 360 गेंदों में 249 रन जोड़ लिए हैं। सिल्वा 241 गेंदों में 167 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। वहीं मेंडिस 118 गेंदों में 117 रन बनाकर मैदान पर डटे हुए हैं। सिल्वा ने अपनी पारी में 20 चौके लगाए, जबकि मेंडिस ने अपनी शतकीय पारी में 10 चौके और चार गगनचुंबी छक्के लगाए। पाकिस्तानी गेंदबाज पूरे दिन में सिर्फ एक विकेट ही ले पाए।

सिल्वा की नजर अब चौथे दिन अपना दोहरा शतक पूरा करने पर होगी। वहीं मेंडिस भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। श्रीलंका चाहेगा कि वो पाकिस्तान पर पहली पारी में बड़ी लीड हासिल कर ले ताकि वो अपने आप को पारी से टेस्ट मैच जीतने का मौका दे सके। पाकिस्तानी गेंदबाज ने तीसरे दिन खूब रन लुटाए। साकिब खान 26 ओवर में 105 रन खा चुके हैं। वहीं रजाउल्लाह को 23 ओवर में 127 रन लुटा चुके हैं, जबकि अराफत मिन्हास ने 21 ओवर में 92 रन दे दिए हैं।

आईपीएल में टीमों की संख्या 10 से 12 हो जाएगी?

एजेंसी,नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने आईपीएल में फिलहाल टीम की संख्या 10 से बढ़ा कर 12 करने की किसी भी संभावना साफ इनकार किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रस्ताव पर बोर्ड के भीतर अनौपचारिक स्तर पर भी कोई चर्चा नहीं हुई है। मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया जा रहा था कि आईपीएल 2028 में टीमों की संख्या 10 से बढ़ाकर 12 कर दी जाएगी।

देवजीत सैकिया ने कहा कि वैश्विक क्रिकेट बाजार में आईपीएल को लेकर बढ़ती दिलचस्पी के बावजूद फिलहाल इसके विस्तार की कोई योजना नहीं है। सैकिया ने कहा, '2028 टूर्नामेंट बनाने की संभावना पर हमने औपचारिक या अनौपचारिक तौर पर कोई चर्चा की है। फिलहाल यह हमारे



विचाराधीन नहीं है।' बीसीसीआई का पूरा फोकस अभी आईपीएल के अगले सीजन पर है। लीग की शुरुआत 2008 में हुई थी और यह 20वां सीजन होने वाला फिलहाल 2027 में होने वाले आईपीएल पर है जो इसका 20वां सत्र होगा। यह एक बड़ा आयोजन होगा।' आईपीएल में टीम संख्या बढ़ाए जाने को लेकर मीडिया में चल रही खबरों को भी उन्होंने निराधार अटकलें करार देते हुए स्पष्ट किया, 'मीडिया में जो खबरें चल रही हैं, वे कुछ लोगों की कल्पनाशीलता

अर्शदीप सिंह का न्यूजीलैंड में प्यार का इजहार समरीन कौर को स्पेशल अंदाज में किया प्रपोज

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड में अपने प्यार का इजहार कर दिया है। उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड समरीन कौर को अंगूठी देकर शादी के लिए हाथ मांगा है। इस दौरान समरीन ने हां बोलकर अर्शदीप के प्रपोजल को स्वीकार कर लिया।

समरीन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया, जिसमें अर्शदीप घुटनों पर बैठकर अपनी गर्लफ्रेंड को प्रपोज करते हुए दिखाई दिए। समरीन ने अंगूठी पहनकर अर्शदीप के प्रपोजल को स्वीकार किया, जिसके बाद अर्शदीप के खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

समरीन ने प्रपोजल के दौरान की तस्वीरें शेयर करते हुए एक खास कैप्शन भी लिखा। उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि जिंदगी ने दोनों को



एक–दूसरे का साथ दिया।

समरीन ने लिखा, श्जिंदगी हमें जो कुछ भी दे सकती थी, उसमें से मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि उसने हमें एक–दूसरे का साथ दिया। उम्र भर के साथ के नाम। (हाथ मंगेतर) अर्शदीप और समरीन एक दूसरे को पिछले कई महीनों से डेट कर रहे हैं। कुछ समय पहले ही अर्शदीप ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अपने रिलेशनशिप पर आधिकारिक तौर पर मुहर लगाई थी। इसके बाद अब अर्शदीप ने समरीन को प्रपोज कर पूरा जीवन साथा निभाने का वादा किया है। अर्शदीप इस समय न्यूजीलैंड में ही रही वनडे सीरीज में भारतीय टीम के साथ जुड़े हुए हैं। इसी बीच उन्होंने समरीन से अपने प्यार का इजहार कर दौरे को और भी यादगार बना दिया है।

अर्शदीप ने समरीन को प्रपोज कर दिया है। हालांकि दोनों के सगाई और शादी के डेट को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। मगर ये तो तय हो गया है कि दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंध जाएंगे। अर्शदीप के लिए ये जिंदगी में एक नई शुरूआत होगी। अर्शदीप के लिए आज का दिन डबल खुशियां लेकर आया। इससे पहले वो आईपीएल में ट्रेड होकर मुंबई इंडियंस में पहुंच गए, जहां वो अपने टीम इंडिया के बॉलिंग पार्टनर जसप्रीत बुमराह के साथ खेलते हुए दिखेंगे।

अर्शदीप के बदले मुंबई ने हार्दिक पांड्या को पंजाब किंग्स को सौंपा है। अर्शदीप अपने पुरानी सैलरी 18 करोड़ रूपये में टीम में शामिल हुए हैं। वहीं हार्दिक 1.5 करोड़ ज्यादा यानी 18 करोड़ में पंजाब के साथ जुड़े हैं।

शूटिंग में भारत को दूसरा ओलंपिक कोटा, नीरज कुमार ने विश्व चैंपियनशिप में जीता ब्रॉन्ज मेडल

एजेंसी,दोहा। आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के साथ नीरज कुमार ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3–पोजीशन स्पर्धा में भारत के लिए लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का कोटा पक्का कर लिया है। शूटिंग में यह भारत का दूसरा ओलंपिक कोटा है। इससे पहले, पिछले हफ्ते पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतकर जयपाल मालवीय ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए देश का पहला कोटा हासिल किया था। नीरज कुमार ने कुल 346.5 का स्कोर बनाया। वे सिल्वर जीतने वाले स्लोवाकिया के पैट्रिक जानी (357.2) और गोल्ड मेडल जीतने वाले दिमित्री पिमेनोव (362.8) के पीछे रहे। भारत के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 323.7 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। उनके बाद क्रोएशिया के पेटार गोरसा (313.0), फ्रांस के रोमेन ऑफ्रे (302.1) और स्विट्जरलैंड के जान लोचबिहलर (300.8) रहे।

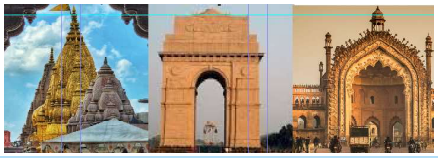
नीरज ने उसी इवेंट में कोटा हासिल किया है, जिसमें स्वप्निल कुसाले ने पेरिस ओलंपिक 2024 में ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीता था। स्वप्निल पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3–पोजीशन स्पर्धा में ओलंपिक मेडल जीतने वाले पहले भारतीय शूटर बने थे। पिमेनोव ने तीनों पोजीशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में बढ़त बनाए रखी। नीलिंग (घुटने के बल) और श्प्रोनश (पेट के बल) पोजीशन में अपना स्कोर बनाने के बाद इस एथलीट ने स्टैंडिंग (खड़े होकर) सीरीज में भी अपनी बढ़त कायम रखी। उन्होंने 362.8 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता और एक नया जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। पैट्रिक जानी पहले ही पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कोटा हासिल कर चुके थे, इसलिए उन्हें दूसरा कोटा नहीं मिल सका। परिणामस्वरूप, कोटा स्थान अगले योग्य एथलीट, नॉर्वे के जॉन–हर्मन हेग को मिला, जो 335.9 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे। पिमेनोव ने भी अपनी जीत के जरिए कोटा स्थान हासिल किया, जबकि हेग का चौथे स्थान पर रहना नॉर्वे को फाइनल से मिलने वाला तीसरा कोटा स्थान दिलाने में निर्णायक साबित हुआ। नियम के अनुसार, कोई एथलीट अपने एनओसी के लिए केवल एक ही कोटा स्थान प्राप्त कर सकता है। यदि कोई एथलीट, जिसने पहले ही कोटा स्थान हासिल कर लिया है, किसी अन्य इवेंट में भी क्वालीफाइंग स्थिति में आता है, तो वह स्थान अगले योग्य एथलीट को दे दिया जाता है। आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप दोहा 2026 में 12 व्यक्तिगत इवेंट्स में से प्रत्येक में तीन ओलंपिक कोटा स्थान दिए जा रहे हैं, इनमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं में पुरुषों के छह और महिलाओं के छह स्थान शामिल हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई.रूUPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादक: विजय दुबे
कार्यकारी संपादक: दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी



नवंबर माह में पेंशनरों को देना होगा जीवन प्रमाण पत्र

25 नवंबर तक जमा करवा सकेंगे प्रमाण पत्र, डिजिटल माध्यम से भी मिलेगी सुविधा

संवाददाता

गुरुग्राम । हरियाणा सरकार से सेवानिवृत्त पेंशनरों को अपनी पेंशन प्राप्त करने के लिए नवंबर माह में अपना जीवित होने का प्रमाण पत्र (जीवन प्रमाण पत्र) जमा करवाना होगा। इस संबंध में खजाना अधिकारी, गुरुग्राम नैन्सी यादव ने बताया कि जिले के कोषागारों एवं उप–कोषागार कार्यालयों से पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनरों को नवंबर माह में जीवन प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि पेंशनर अपने संबंधित खजाना अथवा उप–खजाना कार्यालय में 25 नवंबर तक जीवन प्रमाण पत्र जमा करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, पेंशनर अपने स्मार्टफोन के माध्यम से भी घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार कर सकते हैं। इसके लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा का



लाभ लिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम खजाना कार्यालय से लगभग आठ हजार पेंशनर पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। इन सभी पेंशनरों की सुविधा के लिए कार्यालय की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने पेंशनरों से निर्धारित समय सीमा के भीतर जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाने की अपील की, ताकि पेंशन प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। हरियाणा सरकार के खजाना एवं उप–खजाना कार्यालयों, विशेषकर सोहना, फर्रुखनगर और पटौदी से पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों को अपने संबंधित कार्यालय में जीवन प्रमाण पत्र देना होगा। जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाने के लिए पेंशनर को अपना आधार कार्ड, बैंक खाते से संबंधित विवरण तथा मोबाइल नंबर साथ लेकर जाना चाहिए। पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनरों को पुनर्विवाह न करने का प्रमाण पत्र भी देना होगा। आश्रित बच्चों को परिवार पहचान पत्र के अनुसार अपना आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बीमार एवं बुजुर्ग पेंशनर, जिन्हें खजाना कार्यालय आने में असमर्थता होती है, वे डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट सुविधा के माध्यम से घर बैठे जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। इसके लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के प्रतिनिधियों के माध्यम से निर्धारित शुल्क पर यह सुविधा प्राप्त की जा सकती है। इच्छुक पेंशनर पोर्टल पर जाकर इस सुविधा की जानकारी ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि पेंशनर अपने स्मार्टफोन में आधार फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से भी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करके घर बैठे ही प्रमाण पत्र जमा करवाने की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने सभी पेंशनरों से अपील की कि वे समय रहते अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाएं और पेंशन संबंधी औपचारिकताएं पूरी करें।

ईरान ने अर्जेंटीना की नौसेना और वायु सेना को आतंकवादी संगठन घोषित किया

एजेंसी,तेहरान। अर्जेंटीना ने ईरानी सेना की शाखा इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को ब्लैकलिस्ट कर दिया था। महीनों बाद ईरान ने इसका जवाब दिया है। तेहरान ने अर्जेंटीना की नौसेना और वायु सेना को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। बुधवार को अपने प्रवक्ता के टेलीग्राम चौनल पर जारी एक बयान में, ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अर्जेंटीना ने अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन किया है।

मंत्रालय के अनुसार ईरान के आधिकारिक सशस्त्र बलों के मुख्य स्तंभों में से एक आईआरजीसी को आतंकवादी संगठन करार देकर अर्जेंटीना ने एक शत्रुतापूर्ण कदम उठाया है। मंत्रालय ने कहा कि वह जैसे को तैसा के सिद्धांत और 2019 के एक ईरानी कानून के तहत यह कदम उठा रहा है। इस कानून के अनुसार, जो देश आईआरजीसी को आतंकवादी



संगठन मानने वाले अमेरिका के फैसले का समर्थन करते हैं या उसे मानते हैं, उनके खिलाफ ईरान को जवाबी कार्रवाई करनी होगी। बयान में कहा गया है, यह स्पष्ट है कि इस मामले से निकलने वाले सभी परिणामों की जिम्मेदारी अर्जेंटीना सरकार की होगी। अर्जेंटीना ने मार्च के आखिर में आईआरजीसी को आतंकवादी संगठन घोषित किया था, जिस कदम की इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने तुरंत तारीफ की। ब्यूनस आयर्स ने इस फैसले को आईआरजीसी द्वारा हिजबुल्लाह को दिए जा रहे समर्थन से जोड़ा है।

हत्या के प्रयास के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़,संवाददाता।

प्रतापगढ़ कोतवाली नगर पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 315 बोर का तमंचा, एक खोखा कारतूस, चार जिंदा कारतूस और घटना में इस्तेमाल स्विफ्ट कार बरामद की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जेठवारा थाना क्षेत्र के महेशगंज डेरवा बाजार निवासी अतुल कौशल और कोतवाली नगर के भगवा गांव निवासी राहुल तिवारी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, 9 नवंबर की रात सज़रि खजुरनी निवासी एक व्यक्ति के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में चार–पांच नकाबपोश लोग दिखाई दिए थे। इसकी जानकारी मिलने पर वह अपने भाई के साथ घर जा रहा था। रेलवे फाटक से पहले स्विफ्ट कार सवार लोगों ने उसे रोककर जान से मारने की नीयत से दो–तीन राउंड फायरिंग की। आरोप है कि राहुल तिवारी और अतुल कौशल गाली–गलौज कर मौके से भाग गए। इस मामले में कोतवाली नगर में केस दर्ज किया गया था। एसपी दीपक भूकर के निर्देशन में एएसपी पूर्वी आलोक कुमार और सीओ सिटी आशुतोष मिश्रा की देखरेख में प्रभारी निरीक्षक सुभाष कुमार यादव की टीम ने दोनों को सैया बांध पुल के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, राहुल तिवारी पर हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत छह मुकदमे दर्ज हैं। अतुल कौशल पर चार आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बरामदगी के आधार पर केस में आर्म्स एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

अटल भक्ति और दृढ़ इच्छाशक्ति का अनूठा उदाहरण

बोधराज सीकरी ने 50वें वृंदावन धाम में पूर्ण किया गोवर्धन पूजा का संकल्प

गुरुग्राम/ लोकेश कुमार। गुरुग्राम के प्रमुख समाजसेवी, उद्योगपति एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बोधराज सीकरी न केवल एक कुशल राजनीतिज्ञ और व्यवसायी हैं, बल्कि उनका आध्यात्मिक दृष्टिकोण उन्हें एक विशिष्ट व्यक्तित्व प्रदान करता है। उनकी अटूट निष्ठा और दृढ़ इच्छाशक्ति का ज्वलंत उदाहरण उनका 50 वर्षों का वह पावन संकल्प है, जिसे उन्होंने आज तक बिना किसी रुकावट के पूरा किया है। वर्ष 1976 में अन्नकूट और गोवर्धन पूजा के शुभ अवसर पर बोधराज सीकरी ने पहली बार वृंदावन धाम के दर्शन किए थे। उसी पावन दिन उन्होंने संकल्प लिया था कि वे आजीवन हर वर्ष अन्नकूट और गोवर्धन पूजा के दिन वृंदावन धाम आकर भगवान के चरणों में हाजिरी लगाएंगे। सीकरी जी ने अत्यंत विनम्रता के साथ साझा किया कि ईश्वर की असीम अनुकंपा से उनका यह संकल्प पिछले 50 वर्षों से निरंतर चला आ रहा है और एक भी वर्ष ऐसा नहीं बीता जब वे इस नियम को पूरा न कर पाए हों। उन्होंने कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति से व्यक्ति किसी भी असंभव कार्य को संभव बना सकता है।

परंपराओं संग पूजन

अपनी वृंदावन यात्रा के दौरान बोधराज सीकरी हर वर्ष श्री बांके बिहारी जी एवं श्री राधा वल्लभ जी के दर्शन करते हैं। गोवर्धन पूजा और अन्नकूट का मुख्य पर्व वे अटखंबा स्थित लगभग 540 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक हवेली, श्री मदन मोहन जी मंदिर में मनाते हैं। इस ऐतिहासिक मंदिर की विशेषता यह है कि यहाँ सभी पर्व–त्योहार प्राचीन सनातन रीति–रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं और वर्तमान में यहाँ की सेवा–पूजा पाँचवीं पीढ़ी द्वारा निष्पादित की जा रही है।यहाँ भगवान को 56 भोग अर्पित करने के बाद ढाई घंटे की पारंपरिक समाज का आयोजन होता है।



इस भक्तिमय वातावरण की खासियत यह है कि इसमें किसी माइक या लाउडस्पीकर का प्रयोग नहीं होताय केवल हारमोनियम, मृदंग और झांझरूछैने की मधुर ध्वनि के बीच शास्त्रीय रागों में श्री कृष्ण की आराधना की जाती है, जिसके उपरांत प्रसाद वितरण होता है।वृंदावन धाम में दर्शन और पूजन के उपरांत बोधराज सीकरी ने गुरुग्राम की न्यू कॉलोनी स्थित श्री श्याम जी मंदिर में पूजा–अर्चना की। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए भारतीय त्योहारों के वैज्ञानिक व पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला।

